Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा,हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़ मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवन्बद में प्रसारित

दैनिक
गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वेलकम इंडिया

RNI NO. UPHIN/2018/76874
नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 145 | गुरुवार, 04 जून-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

दिल्ली अग्निकांड: 17 विदेशियों समेत 21 की मौत

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के मालवीय नगर स्थित एक होटल में लगी भीषण आग में मारे गए 21 लोगों में 17 विदेशी नागरिक शामिल थे। अधिकारियों ने बताया कि मृतकों में से अधिकांश लाइबेरिया, नाइजीरिया, मोजाम्बिक और बांग्लादेश के निवासी थे। इससे पहले, सुबह लगभग 8:48 बजे मालवीय नगर स्थित फ्लोरिश स्टे बीएंडबी में लगी भीषण आग में कम से कम 21 लोगों की मौत हो गई और 40 से अधिक लोगों को बचा लिया गया। अधिकारियों ने बताया कि मृतकों में 15 से अधिक विदेशी नागरिक शामिल थे। प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए मैक्स हेल्थकेयर ग्रुप के मेडिकल डायरेक्टर डॉ. संदीप बुधिराजा ने बताया कि आग में घायल हुए आठ मरीज फिलहाल वेंटिलेटर पर हैं और उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। बुधिराजा ने बताया, आठ मरीज वेंटिलेटर पर हैं और उनका इलाज चल रहा है। इनमें से अधिकांश को दम घुटने से चोटें आई हैं, जो धुएं के कारण हुई हैं। सभी को मामूली जलन हुई है, गहरी जलन नहीं। एक मरीज 25 प्रतिशत से अधिक जल गया था। वह वेंटिलेटर पर था, इसलिए हमने उसे सफदरजंग अस्पताल के बर्न वार्ड में स्थानांतरित कर दिया। पांच मरीजों की हालत स्थिर है और उन्हें मामूली चोटें आई हैं। डॉक्टर ने आगे बताया कि आग से बचने के लिए ऊपरी मंजिलों से कूदने के कारण कई मरीजों की हड्डियां टूट गईं। बुधिराजा ने बताया, ₹इन मरीजों को मुख्य रूप से दो या तीन प्रकार की चोटें आई थीं: फेफड़ों में चोट, मामूली जलन और हड्डियों में चोट। कई मरीजों ने ऊंची इमारतों से कूदने का दावा किया, जिसके परिणामस्वरूप हड्डियों में फ्रैक्चर हुए, जिनमें लंबी हड्डियां और श्रोणि की हड्डियां शामिल हैं। एक मरीज को रीढ़ की हड्डी में चोट आई है और उसकी न्यूरोसर्जरी चल रही है।

उन्होंने आगे बताया कि पीड़ितों में भारतीय और विदेशी नागरिक दोनों शामिल थे और मृतकों की संख्या 18 थी, जिनमें नौ पुरुष और नौ महिलाएं थीं। इस बीच, मुख्य अग्निशमन अधिकारी (दक्षिण क्षेत्र) अभिलाष कुमार मलिक ने बताया कि दिल्ली अग्निशमन सेवा ने सुबह 8:50 बजे सूचना मिलने के बाद शुरू में सात दमकल गाड़ियां भेजीं, बाद में घटना की गंभीरता स्पष्ट होने पर कर्मचारियों और उपकरणों की संख्या बढ़ा दी गई। शुरू में एक सहायक मंडल अधिकारी के साथ सात वाहन भेजे गए थे। हालांकि, जैसे-जैसे कॉल बढ़ती गईं, हमने वाहनों की संख्या और अधिकारियों की श्रेणी बढ़ा दी। जब हमारी टीम शुरू में पहुंची, तो उन्होंने आग बुझाने और तलाशी अभियान चलाया। हमने वहां से 39 लोगों को निकाला और उन्हें अस्पतालों में भर्ती कराया।

उन्होंने बताया कि प्रारंभिक निरीक्षण में इमारत में संरचनात्मक और अग्नि सुरक्षा संबंधी गंभीर खामियां सामने आई हैं। इमारत में एक तहखाना, एक भूतल और पांच ऊपरी मंजिलें हैं। लिफ्ट के साथ केवल एक सीढ़ी थी।

पीएम मोदी और सीएम ने जताया दुख, मुआवजे का ऐलान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली में लगी आग पर शोक व्यक्त किया। प्रधानमंत्री कार्यालय से जारी एक बयान में कहा गया कि दिल्ली के मालवीय नगर में लगी आग में हुई जानमाल की हानि बेहद दुखद है। मृतकों के परिजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदना है। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। अधिकारी प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता प्रदान कर रहे हैं। बयान में आगे कहा गया कि प्रत्येक मृतक के परिजनों को पीएमएनआरएफ से 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे। इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मृतकों पर दुख व्यक्त किया और कहा कि सरकार स्थिति पर कड़ी नजर रख रही है। एक्स पर एक पोस्ट में गुप्ता ने कहा कि आग लगने की सूचना मिलते ही दिल्ली अग्निशमन सेवा, दिल्ली पुलिस, दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) और सीएटीएस एम्बुलेंस सेवा की आपातकालीन टीमों को मौके पर भेजा गया।

खरगे, राहुल, प्रियंका ने मालवीय नगर अग्निकांड पर जताया शोक

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने राष्ट्रीय राजधानी के मालवीय नगर स्थित एक होटल में आग लगने की घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए मृतकों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट की है। कांग्रेस नेताओं ने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। उन्होंने पार्टी कार्यकताओं से राहत और बचाव में पूरा सहयोग करने की अपील करते हुए सरकार से पीड़ित परिजनों को सहायता देने का भी आग्रह किया है। श्री खरगे ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि मालवीय नगर में हुई दुखद अग्निकांड की घटना से वह अत्यंत दुखी हैं। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार और संबंधित अधिकारियों को पीड़ितों को समय पर तथा पर्याप्त मुआवजा उपलब्ध कराना चाहिए तथा घायलों के समुचित उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए। उन्होंने पार्टी कार्यकताओं से पीड़ितों की हरसंभव सहायता करने का आग्रह किया। श्री गांधी ने कहा कि मालवीय नगर में आग लगने से कई लोगों की मृत्यु का समाचार अत्यंत दुखद है। उन्होंने शोकाकुल परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कांग्रेस कार्यकताओं से राहत एवं बचाव कार्यों में हरसंभव योगदान देने की अपील की। उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी कामना की।

डीके सीएम, परमेश्वर डिप्टी सीएम

तीन साल बाद कर्नाटक में पावर ट्रांसफर

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। राज्य कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। राज्यपाल थावरचंद गहलोत उन्हें शाम 4:05 बजे लोक भवन के ग्लास हाउस में पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। जी परमेश्वर ने कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। शिवकुमार के साथ 13 विधायक भी आज ही मंत्री पद की शपथ लेंगे, जिनमें से अधिकांश सिद्धारमैया के नेतृत्व वाली पिछली सरकार में मंत्री रह चुके हैं। इस कार्यक्रम में शामिल होने वाले वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खर्गे और कांग्रेस के मुख्यमंत्री वी.डी. सतीशान, ए. रेवंत रेड्डी और सुखविंदर सिंह सुक्खू शामिल हैं। इस कार्यक्रम में कई धार्मिक नेता, छात्र, पौराकर्मिक, किसान प्रतिनिधि, दलित नेता और कन्नड़ कार्यकर्ता भी उपस्थित हैं।

वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने एक-दूसरे का अभिवादन किया

कर्नाटक कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जी परमेश्वर, केजे जॉर्ज और यूटी खादर को लोक भवन में मुख्यमंत्री पद के लिए नामित डीके शिवकुमार के शपथ ग्रहण समारोह से पहले एक–दूसरे का अभिवादन करते देखा गया। यह बातचीत शपथ ग्रहण समारोह से कुछ ही समय पहले हुई, जब पार्टी नेता, विधायक और आमंत्रित अतिथि समारोह स्थल पर एकत्रित हुए थे। वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति ने कांग्रेस पार्टी की एकता को रेखांकित किया, क्योंकि नई सरकार कर्नाटक में कार्यभार संभालने की तैयारी कर रही है।

राजीव शुक्ला बोले- नेतृत्व परिवर्तन से कर्नाटक में कांग्रेस मजबूत होगी

कांग्रेस सांसद राजीव शुक्ला ने शपथ ग्रहण समारोह से पहले कर्नाटक के भावी मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार को बधाई दी और पार्टी उच्च कमान के इस फैसले को बहुत अच्छा बताया। शुक्ला ने कहा कि शिवकुमार जैसे ऊर्जावान नेता के पदभार संभालने से राज्य में कांग्रेस मजबूत होगी और आगामी चुनावों में उसकी संभावनाएं बेहतर होंगी। उन्होंने सत्ता के सुचारू हस्तांतरण को सुनिश्चित करने के लिए सिद्धारमैया की प्रशंसा की और कहा कि निवर्तमान मुख्यमंत्री ने अपना आशीर्वाद देकर उदारता दिखाई है।

अहमदाबाद में अवैध बांग्लादेशियों पर बड़ी कार्रवाई, 290 संदिग्ध हिरासत में, 131 गिरफ्तार

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

अहमदाबाद। अहमदाबाद पुलिस और क्राइम ब्रांच ने बुधवार को चंदोला, गुलाबनगर और खोडियारनगर समेत अहमदाबाद के विभिन्न इलाकों में कथित अवैध बांग्लादेशियों के खिलाफ संयुक्त अभियान चलाया। क्राइम ब्रांच के संयुक्त पुलिस प्रमुख शरद सिंघल के अनुसार कि अहमदाबाद पुलिस और क्राइम ब्रांच ने चंदोला, गुलाबनगर और खोडियारनगर समेत अहमदाबाद के विभिन्न इलाकों में संदिग्ध अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों को निशाना बनाते हुए देर रात एक बड़ा तलाशी अभियान चलाया।

ममता बनर्जी का बड़ा फैसला: बंगाल टीएमसी में विद्रोह के बाद सभी संगठन भंग

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

कोलकाता। अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस (एआईटीसी) ने पार्टी को मजबूत करने के लिए किए जा रहे एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक पुनर्गठन के तहत पश्चिम बंगाल में अपनी सभी समितियों और अपने सहयोगी संगठनों को तत्काल भंग करने की घोषणा 3 जून को की। यह निर्णय तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के भीतर बढ़ते विद्रोह की खबरों के बीच आया है, जिसमें कई विधायकों के महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठकों में अनुपस्थित रहने और आंतरिक तनाव के कारण हाल ही में दो विधायकों के निष्कासन की खबरें सामने आई हैं। एक्स पर जारी एक बयान में पार्टी ने कहा कि गहन विचार-विमर्श के बाद यह निर्णय लिया गया है कि पश्चिम बंगाल में अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस की सभी समितियाँ, साथ ही इसके सभी सहयोगी संगठन, तत्काल प्रभाव से भंग कर दिए जाएँगे। पार्टी ने यह भी कहा कि वह आत्मनिरीक्षण, प्रदर्शन समीक्षा और हर स्तर पर संगठनात्मक मूल्यांकन सहित एक व्यापक आंतरिक प्रक्रिया का संचालन करेगी।

मिशन 2027 के तहत योगी सरकार का प्रशासनिक दांव, मंत्रियों के प्रभार वाले जिलों में व्यापक फेरबदल

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने मंत्रियों के प्रभार वाले जिलों में बड़ा फेरबदल करते हुए कई वरिष्ठ और नए मंत्रियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी हैं। हाल ही में मंत्रिमंडल में शामिल किए गए मंत्रियों को भी महत्वपूर्ण जिलों का प्रभार दिया गया है। भाजपा सरकार के इस कदम को वर्ष 2027 के विधानसभा चुनावों से पहले संगठन और प्रशासनिक समन्वय को मजबूत करने की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है। नई व्यवस्था के तहत वरिष्ठ मंत्री भूपेंद्र चौधरी को आगरा के साथ कासगंज जिले का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। हाल ही में कैबिनेट में शामिल हुए मनोज पांडेय को सीतापुर का प्रभारी बनाया गया है। इसके अलावा अजीत पाल को फतेहपुर, समेंद्र तोमर को मुजफ्फरनगर, हंसराज विश्वकर्मा को सोनभद्र तथा सुरेन्द्र दलेर को बुलंदशहर की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

कैबिनेट मंत्रियों में सूर्य प्रताप शाही को अयोध्या और बस्ती, सुरेश कुमार खन्ना को वाराणसी और लखनऊ, स्वतंत्र देव सिंह को प्रयागराज और गोरखपुर, बेबी रानी मौर्य को इटावा और हाथरस, लक्ष्मी नारायण चौधरी को अलीगढ़ और फिरोजाबाद तथा जयवीर सिंह को झांसी और फरुर्खाबाद का प्रभार दिया गया है। इसी प्रकार धर्मपाल सिंह को गाजियाबाद और रामपुर, नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी को मिजार्पुर और चित्रकूट, अनिल राजभर को आजमगढ़ और सिद्धार्थनगर, राकेश सचान को रायबरेली और कन्नौज तथा अरविन्द कुमार शर्मा को जौनपुर और भदोही की जिम्मेदारी दी गई है।

इसके अलावा योगेन्द्र उपाध्याय को कानपुर नगर, आशीष पटेल को गोंडा, संजय निषाद को कानपुर देहात, ओम प्रकाश राजभर को अंबेडकरनगर, दारा सिंह चौहान को कुशीनगर और श्रावस्ती, सुनील कुमार शर्मा को सहारनपुर तथा अनिल कुमार को मुरादाबाद का प्रभारी बनाया गया है। राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) के स्तर पर नितिन अग्रवाल को लखीमपुर खीरी, कपिल देव अग्रवाल को बिजनौर, रवीन्द्र जायसवाल को गाजीपुर, सन्दीप सिंह को मथुरा, गुलाब देवी को अमरोहा तथा गिरीश चन्द्र यादव को सुल्तानपुर का प्रभार सौंपा गया है। वहीं धर्मवीर प्रजापति को मैनपुरी, असीम अरुण को हरदोई और मेरठ, जे.पी.एस. राठौर को संभल और बरेली, दयाशंकर सिंह को देवरिया और मऊ, नरेन्द्र कुमार कश्यप को शाहजहांपुर, दिनेश प्रताप सिंह को बांदा और बहराइच, अरुण कुमार सक्सेना को बदायूं तथा दयाशंकर मिश्र दयालु को बलिया और महराजगंज का प्रभार सौंपा गया है। सरकार के इस व्यापक फेरबदल को आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों के मद्देनजर जिलों में बेहतर समन्वय, जनसंपर्क और विकास कार्यों की निगरानी को और प्रभावी बनाने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

संपादक की कलम से

जब मौत बन जाए सोशल मीडिया का कंटेंट

ललित शर्मा
संपादक

हाल के दिनों में एक मासूम बच्चे की निर्मम हत्या और हांसी में एक दुकानदार की दर्दनाक हत्या से जुड़े वीडियो सोशल मीडिया पर धड़ल्ले से पोस्ट और शेयर किए जा रहे हैं। इन वीडियो की एक झलक मात्र ही किसी भी संवेदनशील व्यक्ति की रूह कंपा देने के लिए पर्याप्त है। पूरे वीडियो को देखने की हिम्मत बहुत कम लोग जुटा पा रहे हैं। जो भी इन्हें देख रहा है, वह उनकी भयावहता और अमानवीयता से विचलित हो रहा है। ऐसे वीडियो में न कोई संदेश है, न कोई सकारात्मक उद्देश्य, बल्कि केवल पीड़ा, भय और मानसिक असहजता है। इसलिए यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या सोशल मीडिया पर ऐसी सामग्री का खुलेआम प्रसार उचित है और क्या प्लेटफॉर्म्स को इसे तुरंत हटाने की जिम्मेदारी नहीं निभानी चाहिए? डिजिटल युग में सूचना का आदान–प्रदान पहले की तुलना में कहीं अधिक तेज हो गया है। कोई भी घटना कुछ ही मिनटों में लाखों लोगों तक पहुँच जाती है। यह तकनीक का सकारात्मक पक्ष है, क्योंकि इससे लोगों को त्वरित जानकारी मिलती है। लेकिन जब इसी तकनीक का उपयोग किसी की हत्या, दुर्घटना या व्यक्तिगत त्रासदी के भयावह दृश्यों को फैलाने के लिए होने लगे, तब यह चिंता का विषय बन जाता है। सूचना और सनसनी के बीच एक स्पष्ट अंतर होता है। किसी घटना की जानकारी देना आवश्यक हो सकता है, लेकिन उस घटना के वीभत्स दृश्यों को बार–बार प्रसारित करना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता। जब किसी बच्चे की हत्या होती है या किसी व्यक्ति को बेरहमी से मार दिया जाता है, तब वह केवल एक खबर नहीं होती। उसके पीछे एक परिवार का दर्द, असंख्य टूटे हुए सपने और जीवनभर का दु:ख छिपा होता है। ऐसे वीडियो वायरल होने पर पीड़ित परिवारों की पीड़ा और बढ़ जाती है। वे लोग जो पहले से ही अपनों को खोने के सदमे में होते हैं, उन्हें बार–बार वही दृश्य सोशल मीडिया पर देखने पड़ते हैं। यह उनके लिए मानसिक यातना से कम नहीं है। किसी भी सभ्य समाज में मृतक और उसके परिवार की गरिमा का सम्मान किया जाना चाहिए, लेकिन वायरल संस्कृति ने कई बार इस संवेदनशीलता को पीछे छोड़ दिया है। सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव के साथ 'वायरल' होने की होड़ भी बढ़ी है। अधिक लाइक, व्यूज, शेयर और फॉलोअर्स पाने की चाह में कई लोग बिना किसी नैतिक विचार के ऐसी सामग्री साझा कर देते हैं। कई बार लोग यह कहकर वीडियो पोस्ट करते हैं कि वे सच्चाई दिखा रहे हैं, जबकि वास्तविकता यह होती है कि वे अनजाने या जानबूझकर एक दर्दनाक घटना को डिजिटल तमाशे में बदल रहे होते हैं। किसी की मृत्यु या पीड़ा को लोकप्रियता प्राप्त करने का माध्यम बनाना न केवल असंवेदनशीलता का परिचायक है, बल्कि सामाजिक मूल्यों के क्षरण का भी संकेत है। मनोवैज्ञानिक दृष्टि से भी ऐसे वीडियो बेहद हानिकारक होते हैं। हिंसक और रक्तरंजित दृश्य देखने से लोगों में तनाव, भय, चिंता और मानसिक बेचैनी बढ़ सकती है। कई संवेदनशील व्यक्तियों को लंबे समय तक ऐसे दृश्य परेशान करते रहते हैं। बच्चों और किशोरों पर इसका प्रभाव और भी गंभीर हो सकता है। वे या तो अत्यधिक भयभीत हो सकते हैं या फिर हिंसा को सामान्य व्यवहार के रूप में स्वीकार करने लगते हैं। इंटरनेट की खुली दुनिया में यह सुनिश्चित करना लगभग असंभव है कि ऐसे वीडियो केवल वयस्कों तक ही सीमित रहें।

कोचिंग संस्कृति के चौराहे पर

डॉ. प्रियंका सौरभ

कविता

शिक्षा थी संस्कार की, ज्ञान–ज्योति का धाम।
अब बाजारों में बिके, उसका पावन नाम।।

विद्यालय के द्वार से, घटता अब विश्वास।
कोचिंग के विज्ञापन करें, बच्चों का उपहास।।
बेच सफलता का रहे, स्वप्न भरा पैगाम–
अब बाजारों में बिके, उसका पावन नाम।।

बच्चों के कोमल मनों, बढ़ता रोज दबाव।
अंकों की इस दौड़ में, खोते अपने भाव।।
प्रतिभाओं के नाम पर, चलता केवल दाम–
अब बाजारों में बिके, उसका पावन नाम।।

शिक्षक भी ब्रांड बन, छाए मंच–अखबार।
ज्ञान नहीं पहचान का, होने लगा प्रचार।।
फॉलोअर और व्यूज ही, बन बैठे परिणाम–
अब बाजारों में बिके, उसका पावन नाम।।

अभिभावक चिंतित हुए, खर्च बढ़ा भरपूर।
आशाओं की गठरियाँ, ले जाते हैं दूर।।
मेहनत से ज्यादा यहाँ, बिकता झूठा काम–
अब बाजारों में बिके, उसका पावन नाम।।

सच्चे गुरु अब भी कई, रखते शिक्षा–ध्यान।
जिनके श्रम से आज भी, जीवित ज्ञान–विधान।।
उनसे ही संभव बने, उज्ज्वल हिंदुस्तान–
अब बाजारों में बिके, उसका पावन नाम।।

'सौरभ' फिर से सोचिए, शिक्षा का परिवेश।
राष्ट्र–निमार्णी चेतना, मानवता का वेश।।
ज्ञान, विवेक, चरित्र ही, हों शिक्षा का धाम–
अब बाजारों में बिके, उसका पावन नाम।।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्र: 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

राष्ट्रवाद बनाम वैश्वीकरण: अस्मिता की अन्तिम लड़ाई

एन0के0शर्मा
लेखक

राष्ट्रवाद और वैश्वीकरण के बीच टकराव कोई साधारण वैचारिक बहस नहीं है; यह उस अदृश्य संघर्ष का नाम है जिसमें एक ओर सभ्यताओं की आत्मा खड़ी है, और दूसरी ओर बाजार की निर्मम भूख। यह संघर्ष सीमाओं का नहीं, बल्कि पहचान का है; यह अर्थव्यवस्था का नहीं, बल्कि अस्तित्व का प्रश्न है। वैश्वीकरण ने दुनिया को एक 'ग्लोबल विलेज' में बदलने का जो सपना दिखाया था, वह धीरे-धीरे एक ऐसे केंद्रीकृत ढाँचे में बदलता गया जिसमें कुछ मुट्ठीभर शक्तियाँ पूरी मानवता के आर्थिक, सांस्कृतिक और बौद्धिक ताने-बाने पर नियंत्रण स्थापित करने लगीं। बहुराष्ट्रीय कंपनियों, अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों और डिजिटल प्लेटफॉर्मों के इस जाल ने राष्ट्रों की संप्रभुता को धीरे-धीरे खोखला करना शुरू कर दिया। निर्णय अब संसदों में कम और कॉर्पोरेट बोर्डरूम में अधिक लिए जाने लगे। राष्ट्रवाद, जिसे कभी संकीर्णता और पिछड़ेपन का प्रतीक बताकर खारिज करने की कोशिश की गई, आज उसी अस्तित्व की अंतिम दीवार बनकर खड़ा है। यह राष्ट्रवाद केवल सीमाओं की रक्षा नहीं करता, बल्कि भाषा, संस्कृति, परंपरा और सामूहिक स्मृति की रक्षा करता है। यह वह चेतना है जो एक समाज को 'भीड़' बनने से रोकती है और उसे 'राष्ट्र' बनाए रखती है। लेकिन वैश्वीकरण की आक्रामकता ने इस चेतना को योजनाबद्ध तरीके से कमजोर करने का प्रयास किया है। शिक्षा के पाठ्यक्रमों से लेकर मनोरंजन के माध्यमों तक, हर जगह एक ऐसी विचारधारा को स्थापित किया जा रहा है जिसमें स्थानीयता को हीन और वैश्विकता को श्रेष्ठ बताया जाता है। परिणामस्वरूप, नई पीढ़ी अपनी जड़ों से कटती जा रही है। उन्हें अपने इतिहास पर संदेह करना सिखाया जा रहा है, अपनी भाषा पर शर्म करना सिखाया जा रहा है, और अपनी परंपराओं को 'अप्रासंगिक' मानने की आदत डाली जा रही है। यह केवल सांस्कृतिक आक्रमण नहीं है; यह मानसिक उपनिवेशवाद का नया संस्करण है। फर्क इतना है कि अब हथियार बंदूकें नहीं हैं, बल्कि विचार हैं; अब सैनिक नहीं, बल्कि एल्गोरिद्म हैं। सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से एक ऐसी वैश्विक चेतना गढ़ी जा रही है जिसमें व्यक्ति अपनी स्थानीय पहचान से दूर होकर एक उपभोक्ता मात्र बन जाता है। राष्ट्रवाद इस पूरे तंत्र के सामने सबसे बड़ा अवरोध है, क्योंकि यह व्यक्ति को उसकी जड़ों से जोड़ता है। यह उसे बताता है कि वह केवल एक उपभोक्ता नहीं, बल्कि एक परंपरा का वाहक है; वह केवल एक आंकड़ा नहीं, बल्कि एक इतिहास का उत्तराधिकारी है। यही कारण है कि राष्ट्रवाद को अक्सर 'खतरनाक', 'कट्टर' या 'विभाजनकारी' बताकर बदनाम किया जाता है। लेकिन यहाँ एक गंभीर प्रश्न उठता है-क्या वैश्वीकरण वास्तव में समावेशी है? क्या यह सचमुच सभी संस्कृतियों को समान अवसर देता है? वास्तविकता यह है कि यह एकतरफा प्रवाह है, जहाँ शक्तिशाली संस्कृतियाँ कमजोर संस्कृतियों को निगलती जाती हैं। भाषा, खान-पान, पहनावा, विचार-सब कुछ एकरूपता की ओर धकेला जा रहा है। विविधता, जो मानव सभ्यता की सबसे बड़ी शक्ति रही है, अब 'ब्रांडिंग' और 'ट्रेंड' के नीचे दबती जा रही है। आर्थिक स्तर पर भी वैश्वीकरण ने असमानताओं को कम करने के बजाय कई जगह बढ़ाया ही है। विकासशील देशों के संसाधनों का दोहन कर उन्हें सस्ते श्रम बाजार में बदल दिया गया है, जबकि मुनाफा विकसित देशों की अर्थव्यवस्थाओं में सिमटता जा रहा है। यह एक ऐसा आर्थिक जाल है जिसमें राष्ट्र अपनी नीतियाँ तक स्वतंत्र रूप से तय नहीं कर पा रहे। ऐसे समय में राष्ट्रवाद का उभार कोई संयोग नहीं, बल्कि प्रतिक्रिया है-एक स्वाभाविक प्रतिरोध। यह उस असंतुलन के खिलाफ आवाज है जो वैश्वीकरण ने पैदा किया है। लेकिन इस राष्ट्रवाद को भी समझने की जरूरत है। यदि यह केवल आक्रामकता और बहिष्कार में बदल जाता है, तो यह स्वयं अपनी आत्मा खो देगा। सच्चा राष्ट्रवाद वह है जो अपनी जड़ों पर गर्व करता है, लेकिन दूसरों के अस्तित्व का सम्मान भी करता है; जो आत्मनिर्भरता की बात करता है, लेकिन संवाद के दरवाजे बंद नहीं करता। आज की दुनिया एक निर्णायक मोड़ पर खड़ी है। एक ओर वह रास्ता है जहाँ सब कुछ एकरूप, नियंत्रित और बाजार-निर्देशित हो जाएगा; दूसरी ओर वह रास्ता है जहाँ विविधता, पहचान और सांस्कृतिक स्वतंत्रता को संरक्षित रखा जाएगा। यह केवल नीतियों का चुनाव नहीं है-यह भविष्य की दिशा तय करने का क्षण है। यह लड़ाई अंतिम इसलिए है क्योंकि यदि इस चरण पर अस्मिता हार जाती है, तो उसे पुनः स्थापित करना लगभग असंभव हो जाएगा। एक बार जब कोई समाज अपनी भाषा, संस्कृति और इतिहास से कट जाता है, तो वह केवल एक भीड़ बनकर रह जाता है-जिसे दिशा देने के लिए बाहरी शक्तियों का सहारा लेना पड़ता है। इसलिए आज आवश्यकता केवल बहस की नहीं, बल्कि जागरूकता की है। यह समझने की जरूरत है कि वैश्वीकरण का विरोध करना पिछड़ापन नहीं, बल्कि संतुलन की मांग है। यह उस अधिकार की मांग है जिसमें हर राष्ट्र अपनी शर्तों पर दुनिया से जुड़े, न कि किसी और की शर्तों पर। राष्ट्रवाद और वैश्वीकरण के इस द्वंद्व में कोई सरल समाधान नहीं है, लेकिन एक स्पष्ट सत्य जरूर है-जिस दिन अस्मिता हार जाएगी, उस दिन स्वतंत्रता केवल एक शब्द बनकर रह जाएगी। और शायद यही वह बिंदु है जहाँ यह संघर्ष 'विचारधारा' से आगे बढ़कर 'अस्तित्व' की अंतिम लड़ाई बन जाता है।

भारत की सड़कें और जवाबदेही का संकट: विकसित भारत-2047 के सपने के सामने बड़ी चुनौती

किशन भावनानी
लेखक

वैश्विक स्तरपर भारत आज स्वयं को 21वीं सदी की उभरती वैश्विक शक्ति के रूप में प्रस्तुत कर रहा है।विकसित भारत 2047 का लक्ष्य केवल एक राजनीतिक नारा नहीं, बल्कि बुनियादी ढांचे, शासन क्षमता, नागरिक सुरक्षा और जीवन गुणवत्ता में आमूलचूल परिवर्तन का वादा है।लेकिन इसी भारत में सड़कों पर गड्ढों, खुले मैनहोल, निर्माण सामग्री के बेतरतीब ढेर,अधूरे अंडर- कंस्ट्रक्शन प्रोजेक्ट्स और प्रशासनिक उदासीनता के कारण हर वर्ष हजारों लोग जान गंवा रहे हैं या स्थायी रूप से अपंग हो रहे हैं।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र मानता हूं कि यह विडंबना नहीं,बल्कि एक संरचनात्मक विफलता है, इसमें माननीय नेताओं की समय समय पर विपक्ष पर की जा रही टांटिंग बाजी 10 से 50 प्रतिशत वाला मामला अधिकारियों कर्मचारियों संबंधित लाइसेंसिंग अथारिटी द्वारा आंख मूंद कर बैठना आंखों पर परसेंट का कवर चढ़ा देना अब आम जनता आप समझते जा रही है जो, भारत की विकास यात्रा पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाती है।नोएडा में 27 वर्षीय इंजीनियर युवराज मेहता की गड्ढे में गाड़ी फंसने से हुई दर्दनाक मौत ने पूरे देश को झकझोर दिया। सोशल मीडिया पर यह मामला ट्रेंड कर रहा है, क्योंकि यह किसी प्राकृतिक आपदा का नहीं, बल्कि मानवीय लापरवाही का परिणाम था। इस घटना के बाद सोशल मीडिया पर नागरिकों का गुस्सा फूट पड़ा। लोगों ने सवाल उठाया कि क्या टैक्स देने वाले नागरिकों की जान की कोई कीमत नहीं है? क्या अधिकारियों और ठेकेदारों की लापरवाही की सजा केवल जांच और मुआवजे तक सीमित रहेगी?यह घटना केवल एक व्यक्ति की मृत्यु नहीं, बल्कि पूरे प्रशासनिक तंत्र की विफलता का प्रतीक बन गई।अभी दो दिवस पूर्व हमारे गोंदिया राइस सिटी में भी रोड़ों पर हुए गड्ढों से परेशान लोगों ने भीख मांगो एक रैली निकाली जिसमें आम जनता से पैसे लेकर नगर परिषद को देने की बात कही गई ताकि वह गड्ढों को बुझा सके छत्तीसगढ़ की भाटापारासिटी में भी हमारे रिश्तेदार रोड पर पड़े गड्ढे के कारण एक्टिवा से गिर पड़े और करीब एक माह तक अस्पताल में भर्ती रहे बड़ी मुश्किल से बहुत महंगा ट्रीटमेंट करने के बाद उनकी जान बची। साथियों बात अगर हम भारत में सड़कों की खराब स्थिति एक संरचनात्मक संकट इसको समझने की करें तो भारत का सड़क नेटवर्क विश्व में दूसरा सबसे बड़ा है, जिसकी लंबाई 63 लाख किलोमीटर से अधिक है। इसके बावजूद सड़क सुरक्षा, गुणवत्ता और रखरखाव के मामले में भारत वैश्विक सूचकांकों में बेहद नीचे है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों के मामले में भारत लगातार विश्व में शीर्ष पर बना हुआ है।इनमें एक बड़ा कारण सड़कों की जर्जर स्थिति,गड्ढे,असमान सतह जलभराव और अवैज्ञानिक डिजाइन है। ग्रामीण भारत में स्थिति और भी भयावह है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के बावजूद बड़ी संख्या में ग्रामीण सड़कें या तो जर्जर हैं या समय पर मरम्मत के अभाव में जानलेवा बन चुकी हैं। बरसात के मौसम में गड्ढे दिखाई नहीं देते, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका कई गुना बढ़ जाती है। पुरानी शहरी सड़कों पर नई पाइपलाइन, केबल और सीवेज के लिए की गई खुदाई महीनों तक खुली रहती है, और मरम्मत केवल कागजों में सटीक रूप से पूरी होती है। साथियों बात अगर हम निर्माण मलबा और अंडर- कंस्ट्रक्शन अव्यवस्था कुछ समझने की करें तो,भारत के शहरों में अंडर- कंस्ट्रक्शन मकानों और इन्फ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं का मलबा सड़कों पर पड़ा रहना आम बात हो गई है। नियमों के अनुसार निर्माण स्थल को सुरक्षित करना,चेतावनी संकेत लगाना और मलबा हटाना अनिवार्य है, लेकिन जमीनी स्तर पर इन नियमों का खुलेआम उल्लंघन होता है। स्थानीय नगर निकाय, पुलिस और विकास प्राधिकरण एक-दूसरे पर जिम्मेदारी डालकर चुप्पी साध लेते हैं।आंखें और मुंह बंद व्यवस्था सड़क दुर्घटनाओं के बाद अक्सर देखा जाता है कि प्रशासनिक मशीनरी सक्रिय होने में घंटों लगा देती है। एम्बुलेंस की देरी, ट्रैफिक पुलिस की अनुपस्थिति,और अस्पतालों में इलाज में लापरवाही कई बार मौत को निश्चित बना देती है। यह केवल व्यक्तिगत असंवेदनशीलता नहीं, बल्कि एक संस्थागत संस्कृति का परिणाम है, जहां जवाबदेही का अभाव है। निर्माण कार्यों की अनुमति देने वाले विभागों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है,लेकिन यही विभाग अक्सर सुरक्षा मानकों की अनदेखी करते हैं। सड़क खुदाई की अनुमति देने के बाद उसकी निगरानी नहीं होती कि गड्ढा समय पर भरा गया या नहीं, चेतावनी बोर्ड लगाए गए या नहीं। यह लापरवाही दुर्घटनाओं की श्रृंखला को जन्म देती है, जिसे लेखकीय रूप से प्रशासनिक लापरवाही का साइकिल कहा जा सकता है। साथियों बात अगर हम विकसित भारत 2047 बनाम सड़क सुरक्षा की हकीकत इसको समझने की करें तो यह विकसित भारत 2047 की परिकल्पना में विश्वस्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर एक केंद्रीय स्तंभ है। सरकार ने भारतमाला, गतिक शक्ति, स्मार्ट सिटी मिशन और अमृत योजना जैसी कई महत्वाकांक्षी परियोजनाएं शुरू की हैं। लेकिन प्रश्न यह है कि क्या केवल नई सड़कों और एक्सप्रेसवे का निर्माण ही विकास है, या मौजूदा सड़कों की सुरक्षा और रखरखाव भी उतना ही आवश्यक है?सरकार ने हाल के वर्षों में पर्यावरण अनुकूल और टिकाऊ सड़क निर्माण के लिए बायो-बिटुमेन जैसी तकनीकों को बढ़ावा दिया है, जिसमें कृषि अपशिष्ट और जैविक सामग्री का उपयोग होता है। यह तकनीक सड़कों की उम्र बढ़ाने, कार्बन उत्सर्जन कम करने और लागत घटाने में सहायक मानी जा रही है। लेकिन तकनीक तभी प्रभावी होगी जब उसके साथ गुणवत्ता नियंत्रण, पारदर्शिता और जवाबदेही भी सुनिश्चित की जाए। साथियों बात अगर हम कई मामलों में न्यायपालिकाओं की सख्त टिप्पणीयाँ विशेष रूप से: बॉम्बे हाईकोर्ट का हस्तक्षेप रेखांकित करने वाली बात है, बॉम्बे हाईकोर्ट सहित कई न्यायालयों ने बार-बार नगर निकायों और राज्य सरकारों की लापरवाही पर नाराजगी जताई है। अदालतों का स्पष्ट मत है कि गड्ढों और खुले मैनहोल से होने वाली मौतें दुर्घटना नहीं,बल्कि मानव निर्मित आपराधिक लापरवाही हैं।अदालत ने कहा कि जब तक अधिकारियों और ठेकेदारों को व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार नहीं ठहराया जाएगा, तब तक स्थिति में कोई सुधार नहीं होगा। केवल मुआवजा देना पर्याप्त नहीं है;दोषियों के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई आवश्यक है। पीआईएल नंबर 71/2013,एक ऐतिहासिक मामला हैं।13 अक्टूबर 2025 को बॉम्बे हाईकोर्ट की दो सदस्य बेंच न्यायमूर्ति की खंडपीठ ने पीआईएल नंबर 71/2013 पर आदेश सुनाया था। यह जनहित याचिका 2013 में तत्कालीन न्यायमूर्ति के एक पत्र के आधारपर स्वतः संज्ञान (सुओ मोटो) लेकर दर्ज की गई थी।यह मामला इस बात का उदाहरण है कि समस्या कितनी पुरानी और गंभीर है। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि वर्षों की सुनवाई और निदेशों के बावजूद जमीनी स्तर पर कोई ठोस सुधार नहीं हुआ है, जो प्रशासन की उदासीनता को स्पष्ट रूप से दशार्ता है। साथियों बात अगर हम इस भारतीय रोडो परगड्डों की स्थिति को अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य,में भारत की तुलना और सीख को समझने की करेंतो विकसित देशों में सड़क दुर्घटनाओं में मृत्यु दर भारत की तुलना में कहीं कम है। इसका कारण बेहतर डिजाइन,नियमित रखरखाव, सख्त जवाबदेही और त्वरित आपातकालीन सेवाएं हैं। भारत यदि वैश्विक शक्ति बनना चाहता है, तो उसे केवलआर्थिक विकास ही नहीं, बल्कि नागरिक सुरक्षा के मानकों में भी वैश्विक स्तर अपनाने होंगे।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि जवाबदेही कि भारत की सड़कें केवल यातायात का माध्यम नहीं, बल्कि राज्य की शासन क्षमता और संवेदनशीलता का आईना हैं। युवराज मेहता जैसी मौतें हमें यह याद दिलाती हैं कि विकास के दावों के बीच नागरिकों की जान सबसे बड़ा सवाल है। विकसित भारत 2047 तभी संभव है, जब सड़क सुरक्षा को प्राथमिकता दी जाए, प्रशासनिक लापरवाही पर कठोर कार्रवाई हो, और न्यायपालिका के निदेशों को केवल कागजों में नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर लागू किया जाए। सड़क पर हर गड्ढा, हर खुला मैनहोल और हर अधूरा निर्माण कार्य एक संभावित मौत है। सवाल यह नहीं कि अगली दुर्घटना कब होगी, सवाल यह है कि क्या हम उससे पहले जागेंगे?

टीवी देखने से लेकर हेडलाइन्स तक: धावक गुरिंदरवीर सिंह ने एक प्रेरणादायक यात्रा की

डॉ. विजय गर्ग
लेखक

खेल की दुनिया में, सफलता की कहानियां अक्सर एक सपने से शुरू होती हैं। भारतीय धावक गुरिंदरवीर सिंह के लिए यह सपना दौड़ने की जगह पर नहीं, बल्कि टेलीविजन स्क्रीन के सामने ही पैदा हुआ था। पंजाब में पले-बढ़े एक युवा लड़के के रूप में, वह अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं को आकर्षण से देखता था; दुनिया के सबसे तेज धावकों की गति, दृढ़ संकल्प एवं गौरव की प्रशंसा करता था। उन्हें इस बात का कोई अंदाजा नहीं था कि एक दिन उनका नाम सुर्खियों में आ जाएगा और देश भर के अनगिनत महत्वाकांक्षी एथलीटों को प्रेरित करेगा। आज, गुरिंदरवीर सिंह भारत के सबसे आशाजनक धावकों में से एक हैं; वे दृढ़ता एवं समर्पण का प्रतीक हैं। एक छोटे शहर के सपने देखने वाले व्यक्ति से राष्ट्रीय खेल सनसनी में उनका उत्थान, कड़ी मेहनत, अनुशासन और स्वयं पर विश्वास की शक्ति को प्रतिबिंबित करती है। कई बच्चों की तरह, गुरिंदरवीर भी टेलीविजन पर देखे गए खेल नायकों से मोहित हो जाते थे। प्रमुख प्रतियोगिताओं का उत्साहवर्धक माहौल और एथलीटों को फिनिश लाइन पार करते हुए देखने से उनकी कल्पना जाग उठी। दौड़ देखना मनोरंजन से कहीं अधिक था; यह प्रेरणा का स्रोत बन गया। वह युवा लड़का जो कभी चैंपियनों के लिए जयकार करता था, सोचने लगा

कि क्या वह एक दिन खुद भी ऐसा ही बन सकता है। हालाँकि, अकेले सपने ही चैंपियन नहीं बनाते। हर सफल एथलीट के पीछे वर्षों का अथक प्रयास छिपा होता है। गुरिंदरवीर की यात्रा में सुबह जल्दी उठना, गहन प्रशिक्षण सत्र, शारीरिक थकान एवं अनगिनत बलिदान शामिल थे। जबकि उनके कई साथी अपना खाली समय आराम से बिताते थे, उन्होंने अपनी गति, ताकत और तकनीक में सुधार करने के लिए खुद को समर्पित कर दिया। रास्ता हमेशा सुचारू नहीं था। कई एथलीटों की तरह, उन्हें भी असफलताओं, चोटों और आत्म-संदेह के क्षणों का सामना करना पड़ा। राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा भयंकर है, और अवसर अक्सर सीमित होते हैं। फिर भी, हर चुनौती ने उसके दृढ़ संकल्प को और मजबूत बना दिया। बाधाओं को अवरोधों के रूप में देखने के बजाय, उन्होंने उन्हें ऐसे सबक मान लिए जो उन्हें और अधिक मजबूत बनाने में मदद करेंगे। उनके सफल प्रदर्शन जल्द ही लोगों का ध्यान आकर्षित करने लगे। प्रशिक्षकों, खेल प्रेमियों और एथलेटिक्स विशेषज्ञों ने उनकी असाधारण प्रतिभा को पहचाना। प्रत्येक प्रतियोगिता में उन्होंने उल्लेखनीय सुधार और निरंतरता का प्रदर्शन किया। ट्रैक पर उनकी गति वर्षों की अनुशासित तैयारी का प्रतिबिंब बन गई। गुरिंदरवीर की कहानी को विशेष रूप से प्रेरणादायक बनाने वाली बात यह है कि यह पूरे भारत के युवाओं के बीच कैसे प्रतिध्वनित होती है। ऐसे युग में, जहाँ कई युवा लोग तुरंत सफलता चाहते हैं, उनकी यह यात्रा धैर्य एवं दृढ़ता के महत्व को उजागर करती है। एथलेटिक्स में सफलता रातोंरात हासिल नहीं की जा सकती; यह हजारों घंटों के अभ्यास और उत्कृष्टता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के माध्यम से बनाई जाती है। जैसे-जैसे उनके प्रदर्शन में सुधार हुआ, जनता की पहचान भी बढ़ती गई। यह एथलीट, जो कभी टेलीविजन पर खेल आयोजन देखता था, समाचार रिपोर्टों और सोशल मीडिया चचाओं का विषय बन गया। सुर्खियाँ उनकी उपलब्धियों का जश्न मनाने लगीं, और उनका नाम देश के कुछ अग्रणी एथलीटों के साथ दिखाई देने लगा। उनकी सफलता भारतीय एथलेटिक्स की बढ़ती ताकत को भी रेखांकित करती है। वर्षों तक, क्रिकेट ने देश के खेल परिदृश्य पर अपना दबदबा बनाए रखा। हालांकि, गुरिंदरवीर सिंह जैसे एथलीट देश के खेल क्षितिज को बढ़ाने में मदद कर रहे हैं, जिससे ट्रैक और फील्ड इवेंट्स में अधिक रुचि पैदा हो रही है और युवा प्रतिभाओं को पेशेवर रूप से एथलेटिक्स का पीछा करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। पदकों और रिकार्डों के अलावा, गुरिंदरवीर की सबसे बड़ी उपलब्धि वह प्रेरणा हो सकती है जो वे दूसरों को प्रदान करते हैं। उनकी कहानी युवा एथलीटों को याद दिलाती है कि महानता अक्सर एक साधारण सपने से शुरू होती है। चाहे वह सपना किसी गांव, छोटे शहर या भीड़-भाड़ वाले शहर में शुरू हो, समर्पण और कड़ी मेहनत के माध्यम से यह वास्तविकता बन सकता है। आज, जब महत्वाकांक्षी धावक गुरिंदरवीर सिंह की दौड़ देखते हैं, तो उन्हें केवल एक धावक ही नहीं दिखता। वे एक ऐसे युवक को देखते हैं जिसने प्रशंसा को महत्वाकांक्षा में और महत्वाकांक्षा को उपलब्धि में बदल दिया।

बमरौली तिराहा हत्याकांड में एक और आरोपी गिरफ्तार, कुल 8 अभियुक्त पुलिस गिरफ्त में

लुकमान खान

पीलीभीत(वेलकम इंडिया)। थाना बिलसंडा क्षेत्र के चर्चित बमरौली तिराहा हत्याकांड में पुलिस को एक और बड़ी सफलता मिली है। पंकज कटियार की साइकिल दुकान पर हुई मारपीट और बीच-बचाव में आए व्यापारी पप्पू गुप्ता की गोली लगने से हुई मौत के मामले में वांछित एक अन्य अभियुक्त को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

इसके साथ ही इस मामले में अब तक कुल 08 अभियुक्तों की गिरफ्तारी हो चुकी है, जिनमें 03 साजिशकर्ता, 04 घटना में शामिल आरोपी पुलिस मुठभेड़ में तथा 01 अन्य आरोपी को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर थाना बिलसंडा पुलिस अपराध नियंत्रण, शांति व्यवस्था एवं वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु लगातार अभियान चला रही थी।

इसी क्रम में 02 जून 2026 की रात लगभग 8:30 बजे मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने सुहेला भट्टा नहर पुलिया के पास से अभियुक्त स्कन्द पुत्र ब्रजकिशोर निवासी घण्टाघर, खण्डेलवाल वाली गली, थाना सदर बाजार, शाहजहांपुर को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान अभियुक्त की निशानदेही पर वह लोहे का पाइप भी बरामद किया गया, जिससे घटना के दौरान पंकज कटियार के सिर पर वार कर उन्हें घायल किया गया था।

दिनांक 28 मई 2026 को बमरौली तिराहा स्थित पंकज कटियार की साइकिल दुकान में कुछ लोगों ने घुसकर मारपीट की थी। शोर-शराबा सुनकर पास में कपड़े की दुकान चलाने वाले व्यापारी पप्पू गुप्ता मौके पर पहुंचे और भाग रहे एक आरोपी को पकड़ लिया। इसी दौरान आरोपी पक्ष के एक व्यक्ति ने तमंचे से फायर कर दिया, जिससे पप्पू गुप्ता गंभीर रूप से घायल हो गए। उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गई।

घटना में पंकज कटियार भी घायल हुए थे, जिनके सिर पर स्कन्द द्वारा लोहे के पाइप से हमला किया गया था।

पहले ही हो चुकी हैं कई गिरफ्तारियां

घटना के खुलासे और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस द्वारा पांच विशेष टीमों का गठन किया गया था। त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने साजिश में शामिल रमेश चन्द्र कटियार, विमल और सीतेश को 29 मई को गिरफ्तार किया था। इसके बाद 30 मई को लक्की मौर्य, तथा उसी रात शिव और कुनाल को गिरफ्तार किया गया। वहीं 1 जून की देर रात सुमित को पुलिस मुठभेड़ के दौरान अवैध शस्त्र सहित गिरफ्तार किया गया था।

अब 2 जून की रात स्कन्द की गिरफ्तारी के साथ पुलिस ने इस बहुचर्चित मामले में एक और महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है।

पुलिस का बयान

पुलिस अधिकारियों के अनुसार मामले की विवेचना गहनता से की जा रही है। घटना में शामिल अन्य व्यक्तियों एवं साक्ष्यों के संबंध में भी जांच जारी है।

पुलिस का कहना है कि कानून व्यवस्था भंग करने वाले किसी भी अपराधी को बख्शा नहीं जाएगा और सभी दोषियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

बिलसंडा चेयरमैन डीके गुप्ता बने 'सिंघम', व्यापारियों से विवाद के बाद बढ़ा राजनीतिक तापमान

लुकमान खान

पीलीभीत(वेलकम इंडिया)। बिलसंडा नगर पंचायत क्षेत्र में नाला निर्माण कार्य को लेकर मंगलवार देर रात जमकर हंगामा हुआ। व्यापारियों और नगर पंचायत अध्यक्ष डीके गुप्ता के बीच हुए विवाद ने पूरे कस्बे में चर्चा का विषय बना दिया है। घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने की बात कही जा रही है। व्यापारियों का आरोप है कि नाला निर्माण से निकली मिट्टी को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा है। उनका कहना है कि लाखों रुपये मूल्य की मिट्टी को नियमों के विपरीत रातों-रात हटाया गया, जबकि संबंधित अधिकारियों ने इस मामले में कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की। व्यापारियों ने निर्माण कार्य में अनियमितताओं और मानकों की अनदेखी के भी आरोप लगाए हैं। बताया जाता है कि मंगलवार रात लगभग 11 बजे बिलसंडा-बीसलपुर हाईवे स्थित श्री हनुमान मंदिर के

सामने व्यापारियों और नगर पंचायत अध्यक्ष डीके गुप्ता के बीच तीखी नोकझोंक हो गई। व्यापारियों का आरोप है कि इस दौरान अभद्र भाषा का प्रयोग किया गया और माहौल काफी तनावपूर्ण हो गया। घटना के दौरान बड़ी संख्या में लोग मौके पर एकत्र हो गए, जिससे स्थिति और अधिक गरमा गई। उद्योग व्यापार मंडल के जिला महामंत्री अवनीश जायसवाल ने व्यापारियों के पक्ष में खड़े होते हुए कहा कि बिलसंडा नगर के किसी भी व्यापारी का उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने नाला निर्माण कार्य की गुणवत्ता, मिट्टी के निस्तारण और निर्माण मानकों को लेकर कई सवाल उठाए तथा संबंधित एजेंसियों से जवाब मांगा। वहीं, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष अटल सिंह जायसवाल ने भी नगर पंचायत अध्यक्ष डीके गुप्ता पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि नाला निर्माण कार्य में पारदर्शिता नहीं बरती जा रही है तथा सरकारी संपत्ति और मिट्टी के निस्तारण को लेकर कई सवाल खड़े हो रहे हैं। उन्होंने पूरे प्रकरण की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच कराने की मांग की ताकि वास्तविक स्थिति जनता के सामने आ सके। घटना के बाद व्यापारियों में नाराजगी का माहौल बताया जा रहा है। दूसरी ओर, नगर पंचायत अध्यक्ष के समर्थक इन आरोपों को राजनीतिक प्रेरित बता रहे हैं। फिलहाल मामले ने स्थानीय राजनीति और प्रशासनिक हलकों में हलचल पैदा कर दी है।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म और दहेज मांगने के आरोपी को पिलखुवा पुलिस ने किया गिरफ्तार

राजेंद्र सिंह

हापुड़(वेलकम इंडिया)। जनपद में अपराध की रोकथाम एवं वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना पिलखुवा पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता मिली है। पुलिस ने शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म करने तथा विवाह के लिए दहेज की मांग करने के मामले में वांछित चल रहे अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया है।थाना प्रभारी निरीक्षक अतुल चौहान के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार अभियुक्त के खिलाफ युवती को शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण करने और बाद में दहेज की मांग करने का मुकदमा दर्ज था। मामले में आरोपी की तलाश की जा रही थी। पुलिस ने गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय के समक्ष पेश किया, जहां से आगे की कार्रवाई की गई। हापुड़ पुलिस का कहना है कि महिलाओं के विरुद्ध अपराध करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई लगातार जारी रहेगी तथा ऐसे मामलों में किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। जनपद में कानून व्यवस्था बनाए रखने और अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए अभियान निरंतर चलाया जा रहा है।

थाना शेरामऊ उत्तरी के थाना प्रभारी संजय सिंह की कार्यशैली बनी क्षेत्र में मिसाल

लुकमान खान

पूरनपुर/पीलीभीत(वेलकम इंडिया)। तहसील पूरनपुर के थाना शेरामऊ उत्तरी में वर्तमान में तैनात थाना प्रभारी संजय सिंह अपनी कर्तव्यनिष्ठा, ईमानदारी और जनसेवा की भावना के कारण क्षेत्र में चर्चा का विषय बने हुए हैं। उनके नेतृत्व में थाना क्षेत्र में कानून व्यवस्था को मजबूत बनाने तथा आम जनता को त्वरित न्याय दिलाने की दिशा में लगातार प्रभावी कार्य किए जा रहे हैं।

क्षेत्रवासियों का कहना है कि थाना प्रभारी संजय सिंह ने अपने कार्यकाल के दौरान पुलिस और जनता के बीच बेहतर तालमेल स्थापित किया है। थाने में आने वाले प्रत्येक फरियादी की समस्या को गंभीरता से सुनना और उसके समाधान के लिए तत्काल कार्रवाई करना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है। यही कारण है कि लोगों का पुलिस प्रशासन के प्रति विश्वास लगातार बढ़ रहा है।

अपराध नियंत्रण के क्षेत्र में भी थाना प्रभारी संजय सिंह की भूमिका सराहनीय मानी जा रही है। अपराधियों और असामाजिक तत्वों के विरुद्ध लगातार अभियान चलाकर उन्होंने कानून का उल्लंघन करने वालों को स्पष्ट संदेश दिया है कि क्षेत्र में शांति और सुरक्षा व्यवस्था से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। उनके नेतृत्व में पुलिस टीम सतर्कता और सक्रियता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन कर रही है। स्थानीय नागरिकों के अनुसार, संजय सिंह केवल एक पुलिस अधिकारी के रूप में ही नहीं बल्कि समाज की समस्याओं को समझने वाले संवेदनशील व्यक्तित्व के रूप में भी अपनी पहचान बना चुके हैं। सामाजिक विवादों को शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाने तथा आपसी भाईचारे को बढ़ावा देने में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

ग्रामीण क्षेत्रों में नियमित भ्रमण, जनता से सीधा संवाद और कानून व्यवस्था पर पैनी नजर रखने के कारण क्षेत्र में सुरक्षा का माहौल मजबूत हुआ है। लोगों का कहना है कि थाना प्रभारी संजय सिंह का व्यवहार सरल, विनम्र और जनहितैषी है, जिसके कारण हर वर्ग के लोग उनसे अपनी बात खुलकर कह पाते हैं। क्षेत्र के अनेक सम्मानित नागरिकों का मानना है कि संजय सिंह ने अपनी कार्यशैली और कार्यकुशलता से थाना शेरामऊ उत्तरी की छवि को नई पहचान दिलाई है। उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों की चर्चा न केवल थाना क्षेत्र बल्कि आसपास के इलाकों में भी हो रही है। जनता को उम्मीद है कि उनके नेतृत्व में कानून व्यवस्था और अधिक मजबूत होगी तथा आम नागरिकों को न्याय और सुरक्षा का लाभ निरंतर मिलता रहेगा।

भूमि विवाद में निष्पक्ष जांच की मांग, भाकियू एकता शक्ति ने एसडीएम दादरी को सौंपा ज्ञापन

राजेंद्र सिंह

दादरी(वेलकम इंडिया)। भारतीय किसान यूनियन एकता शक्ति के एक प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को उप जिलाधिकारी (एसडीएम) दादरी से मुलाकात कर नोएडा क्षेत्र में संगठन के एक कार्यकर्ता की भूमि विवाद संबंधी समस्या को लेकर ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने मामले की निष्पक्ष जांच कर शीघ्र समाधान कराने की मांग की।ज्ञापन के माध्यम से संगठन पदाधिकारियों ने एसडीएम को अवगत कराया कि कुछ भू-माफिया तत्व भूमि संबंधी मामलों में अवैध हस्तक्षेप कर दबाव बनाने का प्रयास कर रहे हैं।इससे किसानों एवं भूमिधरों में भय और असुरक्षा का माहौल बना हुआ है। संगठन ने ऐसे तत्वों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करते हुए पीड़ित पक्ष को न्याय दिलाने की मांग की।भारतीय किसान यूनियन एकता शक्ति के पदाधिकारियों ने कहा कि किसानों और आम नागरिकों के अधिकारों का हनन किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यदि पीड़ित को जल्द न्याय नहीं मिला तो संगठन व्यापक आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा। एसडीएम दादरी ने प्रतिनिधिमंडल को मामले की निष्पक्ष जांच कर आवश्यक एवं उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया।इस अवसर पर राष्ट्रीय संगठन महामंत्री अक्षित शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष अमरीश चौहान, युवा मेरठ मंडल अध्यक्ष प्रमोद नेता जी, दादरी ब्लॉक अध्यक्ष लाटूर नागर, दादरी तहसील अध्यक्ष ब्रज किशोर, सतीश शर्मा, ललित शर्मा सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मुर्गी फार्म हाउस में चोरी का खुलासा, पुलिस कस्टडी रिमांड में दो आरोपियों की निशानदेही पर तांबे के लच्छे बरामद

राजेंद्र सिंह

हापुड़(वेलकम इंडिया)। जनपद में अपराध की रोकथाम तथा चोरों एवं वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना सिम्भावली पुलिस को एक और सफलता मिली है। पुलिस ने ग्राम वैट स्थित एक मुर्गी फार्म हाउस में हुई चोरी के मामले में गिरफ्तार दो अभियुक्तों को पुलिस कस्टडी रिमांड पर लेकर उनकी निशानदेही पर चोरी किया गया तांबे का सामान बरामद किया है।

थाना प्रभारी सुरेश कुमार के नेतृत्व में की गई कार्रवाई के दौरान दोनों अभियुक्तों से पूछताछ की गई। उनकी निशानदेही पर चोरी किए गए तांबे के लच्छे बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार बरामद सामान को कब्जे में लेकर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। सिम्भावली पुलिस की इस कार्रवाई से चोरी की घटना का सफल खुलासा हुआ है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जनपद में अपराधियों के विरुद्ध अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा और कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

ऑनलाइन ठगी के शिकार पीड़ित को दिलाए 97 हजार रुपये से अधिक, हाफिजपुर पुलिस की त्वरित कार्रवाई

राजेंद्र सिंह

हापुड़(वेलकम इंडिया)। पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार जनपद में साइबर अपराधों की रोकथाम एवं पीड़ितों को राहत दिलाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना हाफिजपुर पुलिस की साइबर सेल ने सराहनीय कार्य करते हुए ऑनलाइन धोखाधड़ी के शिकार एक पीड़ित के 97,088 रुपये वापस कराए हैं।थाना प्रभारी अरविंद चौधरी के नेतृत्व में साइबर सेल ने शिकायत प्राप्त होते ही मामले में त्वरित कार्रवाई की। तकनीकी जांच एवं संबंधित संस्थाओं से समन्वय स्थापित कर पीड़ित के खाते से ठगी गई राशि को ट्रेस करते हुए कुल 97,088 रुपये वापस कराने में सफलता प्राप्त की गई। पुलिस की इस कार्रवाई से पीड़ित ने राहत की सांस ली और हाफिजपुर पुलिस का आभार व्यक्त किया। पुलिस अधिकारियों ने आमजन से अपील की है कि किसी भी अज्ञात कॉल, लिंक या ऑनलाइन लेनदेन के दौरान सतर्क रहें तथा साइबर ठगी का शिकार होने पर तत्काल 1930 साइबर हेल्पलाइन या नजदीकी थाने में शिकायत दर्ज कराएं। जनपद पुलिस द्वारा साइबर अपराधियों के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है, जिससे पीड़ितों को समयबद्ध राहत मिल सके और साइबर अपराधों पर अंकुश लगाया जा सके।

विश्व साइकिल दिवस पर निकाली गई जागरूकता साइकिल यात्रा, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

हरेंद्र शर्मा

हापुड़(वेलकम इंडिया)। हापुड़ जनपद में मेरा युवा भारत हापुड़, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के तत्वावधान में एस.ए. इंटरनेशनल स्कूल में विश्व साइकिल दिवस के उपलक्ष्य में भव्य साइकिल यात्रा का आयोजन किया गया। यह यात्रा हापुड़ के गढ़-दिल्ली मार्ग से होते हुए विद्यालय परिसर में संपन्न हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के चेयरमैन कर्नल सतपाल सिंह तोमर, क्रीड़ा भारती के प्रांत अध्यक्ष विशाल मित्तल, सौरभ तोमर एवं मनप्रीत खैरा द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया। इस कार्यक्रम का सफल आयोजन मेरा युवा भारत की जिला युवा अधिकारी सुश्री एकता मिश्रा के कुशल निर्देशन में सम्पन्न हुआ।

साइकिल यात्रा में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अनुशासन एवं जागरूकता का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। सौरभ तोमर ने अपने संबोधन में कहा कि विश्व साइकिल दिवस हमें स्वास्थ्य, पर्यावरण और सतत विकास के प्रति जागरूक होने का संदेश देता है। साइकिल न केवल एक सुलभ एवं किफायती परिवहन साधन है, बल्कि यह प्रदूषण कम करने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का प्रभावी माध्यम भी है। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि 'साइकिल चलाएं, प्रदूषण घटाएं और प्रकृति को बचाएं।'कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। विजेता प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।इस अवसर पर सचिन रावत, सुभाष सैनी, शेखर कपूर, दीपक कपूर, शिवानी, रुक्मणी एवं विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।सौरभ तोमर के द्वारा संदेशःजब युवा साइकिल की रफ्तार से आगे बढ़ता है, तो स्वास्थ्य, पर्यावरण और राष्ट्र निर्माण की राह भी मजबूत होती है। विश्व साइकिल दिवस हमें यह संकल्प लेने की प्रेरणा देता है कि हम स्वस्थ जीवन और स्वच्छ पर्यावरण के लिए साइकिल को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं।दो पहियों की यह सवारी, स्वास्थ्य और हरियाली की जिम्मेदारी।

डीएम-एसपी के आदेशों को ठेंगा, दिनदहाड़े गरज रहा अवैध खनन का खेल

लुकमान खान

पीलीभीत(वेलकम इंडिया)। जिले में आलाधिकारियों की सख्ती के दावों को धत्ता बताते हुए खनन माफिया बेखौफ होकर सरकार के राजस्व और पर्यावरण को चूना लगा रहे हैं। ताजा मामला थाना गजरौला क्षेत्र की सुहास चौकी के अंतर्गत पिपरिया भजा गांव का है, जहाँ प्रतिबंध के बावजूद अवैध खनन का काला कारोबार धड़ल्ले से जारी है।स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, खनन माफियाओं के हौसले इतने बुलंद हैं कि

जिला अधिकारी और पुलिस अधीक्षक के सख्त निर्देशों का भी उन पर कोई असर नहीं दिख रहा है। सुबह सूरज की पहली किरण धरती पर पड़ने से पहले ही पिपरिया भजा में अवैध खनन की ट्रॉलियाँ और लेबर मिट्टी-खनन के काम में पूरी मुस्तैदी से जुट जाते हैं। दिनदहाड़े ट्रैक्टर-ट्रॉलियाँ सड़कों पर दौड़ रही हैं, लेकिन जिम्मेदार आँखें मूंदकर बैठे हैं।इस पूरे मामले में सबसे बड़ा सवाल गजरौला पुलिस और सुहास चौकी पुलिस की कार्यप्रणाली पर उठ रहा है। जिले के कप्तान और डीएम की जीरो टॉलरेंस नीति के बावजूद गजरौला पुलिस की नाक के नीचे दिनदहाड़े यह खेल चल रहा है।आखिर इन खनन माफियाओं को किसका संरक्षण प्राप्त है? पुलिस की गश्त और सख्ती के दावों के बीच माफिया दिन के उजाले में बेखौफ होकर गाड़ियां कैसे दौड़ा रहे हैं?क्या गजरौला पुलिस पर आलाधिकारियों के आदेशों का कोई असर नहीं पड़ता?क्षेत्र के सजग नागरिकों ने इस मामले में तत्काल उच्चाधिकारियों से संज्ञान लेने की मांग की है। लोगों का कहना है कि सुहास चौकी क्षेत्र में चल रहे इस अवैध खेल पर जब तक बड़ी कार्रवाई नहीं होगी, तब तक माफियाओं के हौसले ऐसे ही बुलंद रहेंगे।अब देखना यह है कि इस खबर के सामने आने के बाद पीलीभीत प्रशासन इन बेखौफ खनन माफियाओं और उन्हें शह देने वाले चेहरों पर क्या सख्त हंटर चलाता है।

पीलीभीत के पत्रकारों ने भ्रष्टाचार के खिलाफ छेड़ी मुहिम, जनहित में निभाई अहम भूमिका

लुकमान खान

पीलीभीत(वेलकम इंडिया)। पत्रकारिता को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा जाता है और जनपद पीलीभीत के पत्रकारों ने समय-समय पर अपनी लेखनी और निष्पक्ष रिपोर्टिंग के माध्यम से इस जिम्मेदारी को बखूबी निभाया है। जिले के अनेक पत्रकारों ने विभिन्न जनसमस्याओं, भ्रष्टाचार, अनियमितताओं और जनता से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाकर प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया है। पत्रकारों द्वारा प्रकाशित समाचारों और रिपोर्टों के माध्यम से कई ऐसे मामलों का खुलासा हुआ, जिनमें सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन, विकास कार्यों की गुणवत्ता तथा जनहित से जुड़े विषयों पर सवाल खड़े हुए। इन खबरों के बाद संबंधित विभागों को जांच करानी पड़ी और कई मामलों में सुधारात्मक कदम भी उठाए गए। जनपद के पत्रकारों ने विपरीत परिस्थितियों में भी सत्य को सामने लाने का प्रयास किया। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर जिला मुख्यालय तक जनता की आवाज को शासन और प्रशासन तक पहुंचाने का कार्य किया। यही कारण है कि आमजन में पत्रकारिता के प्रति विश्वास बना हुआ है। पत्रकारों का कहना है कि उनका उद्देश्य किसी व्यक्ति विशेष को निशाना बनाना नहीं, बल्कि समाज और जनता के हितों की रक्षा करना है। निष्पक्ष, निर्भीक और तथ्यपरक पत्रकारिता ही लोकतंत्र को मजबूत बनाती है। पीलीभीत के पत्रकारों की यह सक्रियता और जनहित के प्रति समर्पण जिले के पत्रकारिता जगत के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। जनसमस्याओं को प्रमुखता से उठाकर और भ्रष्टाचार के मामलों को उजागर कर उन्होंने यह साबित किया है कि सशक्त पत्रकारिता समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का माध्यम बन सकती है।

'कृष्णावतारम पार्ट 1 - द हार्ट', कलाकारों ने हरिद्वार और ऋषिकेश में लिया संतों का आशीर्वाद

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। देशभर के सिनेमाघरों में सफलतापूर्वक चौथे सप्ताह में प्रवेश कर चुकी फिल्म 'कृष्णावतारम पार्ट 1 ' द हार्ट' की टीम ने हाल ही में हरिद्वार और ऋषिकेश पहुंचकर देश के प्रतिष्ठित संतों और आध्यात्मिक गुरुओं का आशीर्वाद प्राप्त किया। फिल्म के मुख्य अभिनेता सिद्धार्थ गुप्ता, जो देहरादून, उत्तराखंड के रहने वाले हैं, अभिनेत्री संस्कृति जयाना (फिल्म में सत्यभामा की भूमिका में) और निमार्ता साजन राज कुरूप के साथ इस आध्यात्मिक यात्रा पर पहुंचे। इस दौरान टीम ने योग गुरु बाबा रामदेव, जूना अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरी तथा परमार्थ आश्रम के प्रमुख स्वामी चिदानंद सरस्वती से मुलाकात कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। सभी संतों ने फिल्म की सफलता की कामना करते हुए भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक मूल्यों को बड़े पर्दे पर प्रस्तुत करने के प्रयास की सराहना की।

देहरादून में जन्मे और पले-बढ़े सिद्धार्थ गुप्ता के लिए यह यात्रा विशेष रूप से भावनात्मक रही। उत्तराखंड की धरती पर लौटने को लेकर उन्होंने अपनी खुशी व्यक्त की।

सिद्धार्थ गुप्ता ने कहा, 'यहां आकर बहुत अच्छा लग रहा है। उत्तराखंड मेरी जन्मभूमि है और यहां की आध्यात्मिक ऊर्जा हमेशा मुझे अपनी ओर आकर्षित करती है। हमने हरिद्वार में गंगा स्नान किया, भव्य गंगा आरती में हिस्सा लिया और पूज्य गुरुओं का आशीर्वाद प्राप्त किया। यह अनुभव हमारे लिए बेहद सुखद और यादगार रहा।'

यात्रा के दौरान टीम ने हरिद्वार और ऋषिकेश के विभिन्न धार्मिक स्थलों के दर्शन भी किए और फिल्म की निरंतर सफलता के लिए प्रार्थना की।

निमार्ता साजन राज कुरुप ने कहा कि 'कृष्णावतारम पार्ट 1 ' द हार्ट' जैसी आध्यात्मिक और सांस्कृतिक मूल्यों पर आधारित फिल्म के लिए संतों का आशीर्वाद अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने दर्शकों द्वारा फिल्म को मिल रहे प्रेम और समर्थन के लिए भी आभार व्यक्त किया।

फिल्म के चौथे सप्ताह में भी दर्शकों का उत्साह बना हुआ है और टीम को उम्मीद है कि 'कृष्णावतारम पार्ट 1 ' द हार्ट' आने वाले दिनों में भी लोगों के दिलों को इसी तरह छूती रहेगी।

एक सप्ताह बाद भी नहीं मिली राहत, इनाम कॉलोनी में जलभराव बरकरार

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। सहारनपुर के वार्ड 67 स्थित इनाम कॉलोनी में जलभराव की समस्या एक सप्ताह बाद भी बनी हुई है। छोटी नहर का पानी सड़क पर आने और नालियों की निकासी बाधित होने से कॉलोनी की गलियों और सड़कों पर अब भी गंदा पानी जमा है, जिससे स्थानीय लोगों की परेशानियां लगातार बढ़ रही हैं।

क्षेत्रवासियों का कहना है कि समस्या की जानकारी संबंधित स्तर पर दी जा चुकी है, लेकिन अभी तक कोई ठोस समाधान नहीं हो सका है। लगातार जलभराव के कारण लोगों का घरों से निकलना मुश्किल हो रहा है। वहीं गंदे पानी से बदबू और मच्छरों का प्रकोप भी बढ़ गया है, जिससे बीमारियों का खतरा बना हुआ है। स्थानीय निवासियों के अनुसार बरसात के मौसम में स्थिति और गंभीर हो सकती है। बच्चों, बुजुर्गों और दुकानदारों को सबसे अधिक दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। लोगों ने जल्द नालियों की सफाई और पानी निकासी की समुचित व्यवस्था किए जाने की मांग की है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो समस्या और बढ़ सकती है। नागरिकों ने जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान की मांग करते हुए संबंधित विभाग से शीघ्र कार्रवाई की अपील की है।

पूर्व सांसद हरीश नागपाल के पुत्र जय नागपाल ने बच्चों को वितरित की क्रिकेट किट

नितिन शर्मा

बिजनौर(वेलकम इंडिया)। नहटौर ब्लॉक क्षेत्र के गांव रामपुर, राजनगर, नन्हेड़ा, बालापुर, दबथला, शादीपुर, हरगनपुर आदि गांवो में युवा बच्चों को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से क्रिकेट किट का वितरण किया गया। कार्यक्रम में पूर्व सांसद हरीश नागपाल के पुत्र जय नागपाल ने बच्चों को क्रिकेट किट प्रदान करते हुए उन्हें खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर जय नागपाल ने कहा कि खेल न केवल शारीरिक और मानसिक विकास का माध्यम हैं, बल्कि अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता का भी विकास करते हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की प्रतिभाओं को उचित संसाधन और अवसर उपलब्ध कराना समाज की जिम्मेदारी है। बच्चों को क्रिकेट किट प्रदान करने का उद्देश्य उन्हें खेलों के प्रति प्रेरित करना और उनकी प्रतिभा को निखारने में सहयोग करना है। कार्यक्रम में उपस्थित बच्चों और उनके अभिभावकों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे युवाओं के लिए प्रेरणादायक बताया। बच्चों में क्रिकेट किट प्राप्त करने को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला। सभी अतिथियों ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें खेल और शिक्षा दोनों क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर फुर्ती बाबू चौहान, पूर्व सभासद शिव कुमार चौहान, प्रधान सविता, गजेंद्र सैनी, पवन चौहान, प्रदीप कुमार सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

आज भारत के शहर केवल विकास के केंद्र नहीं, बल्कि नवाचार, सुशासन और आत्मनिर्भरता के सशक्त मॉडल के रूप में उभर रहे हैं: धामी

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। ऋषिकेश में अखिल भारतीय महापौर परिषद की 117वीं कार्यकारी समिति की बैठक आयोजित की गयी। जिसमें मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उन्होंने कुल 29.78 करोड़ की लागत की तीन परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करने के साथ ही विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का भी अवलोकन किया।

बैठक में मुख्यमंत्री ने देश के विभिन्न शहरों से आए महापौरगणों को संबोधित करते हुए कहा कि आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश के शहरी क्षेत्रों को सुदृढ़, स्वच्छ और आधुनिक बनाने की दिशा में स्वच्छ भारत मिशन, अमृत योजना, स्मार्ट सिटी मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना सहित अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं प्रभावी रूप से संचालित की जा रही हैं। इन योजनाओं से शहरी आधारभूत ढांचे को नई मजबूती मिली है साथ ही नागरिकों के जीवन स्तर में भी सकारात्मक परिवर्तन आया है। उन्होंने कहा आज भारत के शहर केवल विकास के केंद्र नहीं, बल्कि नवाचार, सुशासन और आत्मनिर्भरता के सशक्त मॉडल के रूप में उभर रहे हैं। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल, राम सिंह कैड़ा, विधायक प्रेम चंद अग्रवाल उपस्थित रहे।

ऋषिकेश ट्रांजिट कैंप का औचक निरीक्षण किया

मुख्यमंत्री ने ऋषिकेश ट्रांजिट कैंप का औचक निरीक्षण कर चारधाम यात्रा से जुड़ी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान कैंप में मौजूद श्रद्धालुओं से संवाद कर उनके यात्रा अनुभवों एवं दी जा रही सुविधाओं के संबंध में उनका फीडबैक लिया। उन्होंने अधिकारियों को बढ़ती गर्मी को देखते हुए ट्रांजिट कैंप में अतिरिक्त कूलर और पेयजल की पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए साथ ही उन्हें रजिस्ट्रेशन के लिए श्रद्धालुओं को इंतजार न करना पड़े, इसके लिए उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया। सीएम ने कहा कि श्रद्धालुओं ने चारधाम यात्रा हेतु की गई व्यवस्थाओं पर संतोष जताया। राज्य सरकार श्रद्धालुओं की सुरक्षित, सुचारु और सुखद यात्रा सुनिश्चित करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

एनबीडब्ल्यू के दो वारंटी पुलिस हिरासत में

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। थाना जनकपुरी, सहारनपुर पुलिस द्वारा दो एनबीडब्ल्यू वारण्टी अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश कर अग्रिम कार्यवाही की गयी। एसएसपी के निर्देशन में अपराध की रोकथाम व वांछित, वारण्टी अपराधियो की गिरफ्तारी हेतु जनपदीय पुलिस द्वारा लगातार संघन चैकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक नगर एवं क्षेत्राधिकारी नगर द्वितीय के निकट पर्यवेक्षण में तथा प्रभारी निरीक्षक जनकपुरी नेमचन्द सिंह के कुशल नेतृत्व में आज थाना जनकपुरी पुलिस द्वारा चैकिंग व गश्त के दौरान दो वारण्टी वासु पुत्र राजेश निवासी शिव मन्दिर के पास शान्ति नगर थाना जनकपुरी जनपद सहारनपुर व प्रियांशु पुत्र संजय कुमार निवासी मौहल्ला बेरीबाग थाना जनकपुरी जनपद सहारनपुर को थाना जनकपुरी में थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया।

पुरानी रंजिश में खूनी संघर्ष, 6 आरोपी गिरफ्तार

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अभिनंदन सिंह के कड़े रुख और निर्देशन में वांछित अपराधियों व उपद्रवियों के खिलाफ चलाए जा रहे धरपकड़ अभियान के तहत थाना नांगल पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने ग्राम ताशीपुर में हुए हिंसक बवाल और जानलेवा हमले के मामले में मुस्तैदी दिखाते हुए मौके से 6 शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया है। पीआरवी 5984 के माध्यम से पुलिस को सूचना मिली कि थाना नांगल क्षेत्र के ग्राम ताशीपुर में पुरानी मुकदमेबाजी को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हो गया है। देखते ही देखते दोनों ओर से लाठी-डंडे, लोहे की रॉड और ईंट-पत्थर चलने लगे।

इस हिंसक झड़प से पूरे गांव में दहशत और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही नांगल थाना पुलिस बल के साथ तुरंत मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करते हुए उपद्रव कर रहे 6 आरोपियों को रंगे हाथों दबोच लिया।

पकड़े गए सभी आरोपी जिला सहारनपुर के ग्राम ताशीपुर, थाना नांगल के निवासी हैं। पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों के नाम इस प्रकार हैं। दिलशाद पुत्र अख्तर, सलमान पुत्र अहसान, गुलशेर पुत्र अख्तर, सारिक पुत्र अय्यूब, तारिक पुत्र अय्यूब, अल्तमश पुत्र इकराम, इस दुस्साहसिक वारदात के संबंध में थाना नांगल पुलिस ने अपराध से संबंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर लिया है। इस सराहनीय कार्य करने वाली पुलिस टीम मे प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार, उपनिरीक्षक संजय राणा, हेड कांस्टेबल धर्मेन्द्र कुमार, कांस्टेबल राहुल यादव, रि. का. अरुण कुमार, प्रशांत शर्मा, और जितेन्द्र यादव तैनात रहे।

पंजाबी समाज आखिर कब तक रिफ्यूजी और पाकिस्तानी शब्द सुनता रहेगा: हरीश चन्द्र आजाद

वेलकम इंडिया ब्यूरो

फरीदाबाद। हरियाणा पंजाबी संस्कृति संघ के प्रदेश अध्यक्ष हरीश चन्द्र आजाद ने कहा की अभी हिसार में किसी पागल ने विपिन खुराना को रिफ्यूजी और पाकिस्तानी कहा जिसकी हम सख्त शब्दों में निंदा करते हैं और सरकार से अपील करते हैं की दोषी को सख्त से सख्त सजा दें।

हरीश आजाद पंजाबी समाज को कहा कि अब समय आ गया हैं अब प्रदेश का पूरा पंजाबी समाज पार्टिवाद से ऊपर उठकर एक होकर आंदोलन करें और सरकार से अपील करें कि रिफ्यूजी कानून जल्द से जल्द बनाये जिसमें पंजाबी समाज को रिफ्यूजी और पाकिस्तानी कहने पर तुरंत सजा का प्रावधान हो।

आजाद ने कहा कि इस कानून को बनवाने के लिए पंजाबी समाज प्रत्येक जिलें में एक ही दिन धरना देगा और सरकार ने फिर भी ये कानून ना बनाया तो हम प्रदेश स्तर पर धरना देंगे। उन्होंने सरकार को ललकारते हुए कहा कि अब पानी सर के ऊपर से उठ गया हैं इसलिए हम अब इस कानून को बनवाकर ही दम लेंगे। उन्होंने कहा कि हमारी इस लड़ाई में जो जो पंजाबी नेता साथ देगा पंजाबी समाज अगले चुनावों में उस उस नेता का साथ देगा।

तीन वाहन चोर गिरफ्तार, चोरी की 3 मोटर साइकिलें बरामद

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। थाना गागलहेडी पुलिस द्वारा मोटरसाइकिल चोरी की घटना का सफल अनावरण करते हुए तीन वाहन चोर अभियुक्त गिरफ्तार, कब्जे से चोरी की तीन मोटरसाइकिल बरामद की गयी। जानकारी के अनुसार 21 अप्रैल 2026 को वादी शहजाद पुत्र आस मोहम्मद निवासी मक्का बांस तहसील व जिला सहारनपुर की लिखित तहरीर बाबत अज्ञात चोर द्वारा वादी की मोटरसाइकिल हीरो सुपर स्पलेण्डर रंग काला चोरी कर ले जाने की सूचना के सम्बन्ध में थाना गागलहेड़ी पर मुकदमा पंजीकृत कराया था।

एसएसपी निर्देशन में वाहन चोरी/नकबजनी आदि आपराधिक घटनाओं की रोकथाम व इन घटनाओं में लिप्त अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु जनपदीय पुलिस द्वारा लगातार संघन चौकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक नगर एवं क्षेत्राधिकारी सदर के निकट पर्यवेक्षण में तथा थानाध्यक्ष धर्मेन्द्र कुमार के कुशल नेतृत्व में आज मुखबिर की सूचना पर थाना गागलहेड़ी पुलिस द्वारा मुकदमा उपरोक्त में मोटरसाइकिल चोरी की घटना का सफल अनावरण करते हुए 3 वाहन चोर फरमान उर्फ काला पुत्र सलीम निवासी कुम्हारहेडा थाना सरसावा जिला सहारनपुर, शाहिद पुत्र दीन मौहम्मद निवासी बंजारा बस्ती कैलाशपुर थाना गागलहेडी जिला सहारनपुर, अनीस पुत्र युसुफ नि0 बंजारा बस्ती कैलाशपुर थाना गागलहेडी जिला सहारनपुर को हिन्डन नदी के पुराने पुल के पास से गिरफ्तार किया गया। अभियुक्तगण के कब्जे पर चोरी की गयी तीनों मोटर साइकिलें बरामद की गयी।

पुल जोगियान व चौक फव्वारा से हटाया अतिक्रमण

अतिक्रमण के कारण उक्त स्थानों पर हर समय लगा रहता था जाम

वेलकम इंडिया ब्यूरो

सहारनपुर। नगर निगम ने आज पुल जोगियान के निकट आधी सड़क कब्जा कर चटाई व सरकण्डे आदि बेचने वालों का अतिक्रमण जेसीबी की मदद से ध्वस्त कर दिया। कुछ सामान भी जब्त किया गया और आठ अतिक्रमणकारियों से साढे. सात हजार रुपये का जुमार्ना भी वसूला गया। इसके अलावा ढमोला पुल, चौक फव्वारा तथा लिंक रोड पर भी अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। निगम द्वारा अतिक्रमण हटाने के बाद पुलिस और प्रशासन के आला अफसरों को भी अवगत कराया गया है तथा उक्त स्थानों को अतिक्रमण मुक्त रखने के लिए सम्बंधित थानों को पत्र लिखा गया है।

शहर के विभिन्न क्षेत्रों में रास्ता जाम से परेशान लोगों द्वारा नगर निगम में लगातार अतिक्रमण की शिकायत की जा रही थी। इन शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए नगरायुक्त शिपू गिरि के निर्देश पर निगम के अतिक्रमण हटाओं दस्ते ने आज अनेक स्थानों पर जोरदार अभियान चलाया।

अभियान चलाने से पहले पांच दिन तक लगातार स्वयं अतिक्रमण हटाने की अपील भी की गयी थी। आज दोपहर जब निगम का अतिक्रमण हटाओं दस्ता अतिक्रमण प्रभारी सुधीर शर्मा के नेतृत्व में पुल जोगियान पहुंचा तो नदी की पटरी पर आधी सड़क घेर कर बैठे अतिक्रमणकारियों में हड़कंप मच गया। पुल जोगियान से ढमोला पुल की ओर सरकण्डे -चटाई और छाज आदि बनाने वाले लोगों ने आधी सड़क घेर कर अवैध कब्जा कर रखा था जिससे वहां अक्सर जाम की स्थिति बनी रहती थी।

अतिक्रमण हटाओ दस्ते ने जेसीबी की मदद से समस्त अतिक्रमण ध्वस्त कर दिया और दो काउण्टर, दो खोखे, चार मूढे, एक रैक सहित कुछ अन्य सामान जब्त कर लिया। जबकि आठ लोगों पर साढे. सात हजार रुपये जुमार्ना भी लगाया गया। चौक फव्वारा पर सेहरे-पगड़ी व कपडे. बेचने वालों ने ट्रांसफॉर्मरों को चारों तरफ से घेर कर भारी अतिक्रमण कर रखा था जिससे हर समय वहां जाम की स्थिति बनी रहती थी। ट्रांसफॉर्मरों में स्पार्किंग होने पर यहां किसी भी अनहोनी की आशंका बनी रहती थी। महापौर ने भी कुछ अरसा पहले बाजार का निरीक्षण करते हुए उक्त अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए थे। ट्रांसफॉर्मरों के चारों ओर से इस सब अतिक्रमण को हटाया गया। इसके अलावा सतयुग आश्रम के निकट ढमोला पुल पर फल विक्रेताओं द्वारा किये गए अतिक्रमण तथा लिंक रोड से राकेश सिनेमा की ओर जाने वाले मार्ग पर भी रेहड़ी-ठेली, ई-रिक्शा वालों द्वारा किये गए अतिक्रमण को हटवाया गया। इस दौरान प्रवर्तन दल प्रभारी कर्नल एच बी गुरुंग व टीम के जवान भी मौजूद रहे।

फायर ब्रिगेड का हैरतअंगेज रेस्क्यू: खुद को घर में बंद कर आग लगाने वाले युवक को सकुशल बचाया

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। जनपद के थाना सदर बाजार क्षेत्र के कपिल विहार में आज सुबह उस वक्त हड़कंप मच गया, जब एक विक्षिप्त मानसिक स्थिति या आवेश में आए युवक ने खुद को घर के भीतर कैद कर आग लगा ली। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम में खलबली मच गई। कंट्रोल रूम से सूचना मिलते ही रेलवे स्टेशन ड्यूटी पर तैनात फायर ब्रिगेड के फोम टेंडर वाहन को बिना वक्त गंवाए तत्काल मौके के लिए रवाना किया गया। जब फायर यूनिट घटनास्थल पर पहुँची, तो नजारा बेहद डरावना था। मकान की प्रथम तल की छत पर रखे कपड़ों में भीषण आग लगी हुई थी और धुआं उठ रहा था। फायर कर्मियों ने तुरंत मोर्चा संभाला और पड़ोसी मकान की छत के रास्ते से होते हुए तत्परता से पानी की बौछार कर आग को पूरी तरह बुझाया। लोहे के गेट तोड़कर अंदर घुसी पुलिस की टीम, आग बुझाने के बाद असली चुनौती युवक को सुरक्षित बाहर निकालने की थी। युवक ने खुद को मकान के मुख्य द्वार और प्रथम तल के गेट के बीच दोनों तरफ से लॉक कर लिया था। फायर कर्मियों ने काफी देर तक युवक को समझा-बुझाकर दरवाजा खोलने का प्रयास किया, लेकिन उसने अंदर से गेट नहीं खोला। अनहोनी की आशंका को देखते हुए फायर यूनिट ने सूझबूझ का परिचय दिया। टीम पड़ोसी के भवन की छत के रास्ते से दाखिल हुई और सीढ़ियों पर लगे टिन शेड को कटर व अन्य उपकरणों की मदद से हटाया। इसके बाद भवन के भीतर प्रवेश कर सब्बल लोहे की रॉड की सहायता से बंद दरवाजों को तोड़ा गया। पुलिस के इस सरहान्य कार्य से सकुशल रेस्क्यू पर परिजनों ने जताया आभार, फायर फाइटर्स ने कड़ी मशक्कत के बाद युवक को समझा-बुझाकर पूरी तरह सुरक्षित और सकुशल बाहर निकाल लिया। युवक को सुरक्षित रेस्क्यू करने के बाद स्थानीय पुलिस और रोते-बिलखते परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया।

संतकबीरनगर पुलिस द्वारा झपटमारी के मामले से सम्बन्धित 03 अभियुक्तों को किया गया गिरफ्तार

झपटमारी की 06 अदद मोबाईल, 01 अदद अवैध तमंचा .315 बोर एवं घटना में प्रयुक्त 01 अदद मोटर साइकिल बरामद

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह के मार्गदर्शन व क्षेत्राधिकारी खलीलाबाद प्रियम राजशेखर पाण्डेय के पर्यवेक्षण में जनपद संतकबीरनगर में अपराध एवं अपराधियो के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में प्रभारी निरीक्षक थाना कोतवाली खलीलाबाद जय प्रकाश दुबे व प्रभारी एसओजी रजनीश राय के नेतृत्व में गठित टीम उ0नि0 अनिल कुमार यादव, हे0का0 गणेश प्रसाद, का0 दिपेश कुमार, का0 बलराम यादव, का0 आशीष कुमार यादव, का0 दुर्गेश, का0 देवेन्द्र वर्मा, म0का0 साधना, म0का0 आरजू सिंह, प्रभारी एसओजी रजनीश राय मय टीम, सर्विलांस टीम संतकबीरनगर ने मु0अ0सं0 464/2026 धारा 304(2) बीएनएस थाना कोतवाली खलीलाबाद से सम्बन्धित अभियुक्तगण अवधेश कुमार धुरिया पुत्र कृष्ण कुमार निर्भिक निवासी कसैला थाना कोतवाली खलीलाबाद, सौरभ यादव पुत्र रामशब्द निवासी कसैला थाना कोतवाली खलीलाबाद जनपद संतकबीरनगर, प्रभात यादव पुत्र राजेश यादव निवासी निखरतपार थाना कोतवाली खलीलाबाद जनपद संतकबीरनगर को झपटमारी की कुल 06 अदद मोबाइल, 01 अदद अवैध तमंचा .315 बोर एवं घटना में प्रयुक्त 01 अदद मोटर साइकिल के साथ पर मेहदावल बाइपास रोड चौराहे के पास से गिरफ्तार किया गया।

दिनाँक 03.06.2026 को वादी महातम पुत्र रामराज ग्राम गौसपुर थाना कोतवाली खलीलाबाद जनपद संतकबीनगर द्वारा थाना कोतवाली खलीलाबाद पर प्रार्थना पत्र दिया गया कि दिनांक 30.05.2026 को सुबह में जब मैं अपने घर से बरदहिया बाजार जा रहा था कि विधियानी तिराहा के आगे ओवर ब्रिज के मध्य पहुँचा था कि मेरे मोबाइल पर फोन आया, मैं गाड़ी ब्रिज पर रोककर बात कर ही था कि उस बीच चार अज्ञात लड़के बिना नम्बर प्लेट की मोटर साइकिल से आये और मेरा मोबाइल झपट्टा मारकर (छीनकर) भागने लगे। जब वह मेरा मोबाइल छीन कर भाग रहे थे तो एक लड़के पास असलहा (कट्टा) दिखाई दिया।

जिसके डर से मैं शोर नहीं मचा पाया। उक्त प्रार्थना पत्र के आधार पर थाना कोतवाली खलीलाबाद पर मु0अ0सं0 464/2026 धारा 304(2) बीएनएस पंजीकृत किया गया था।

मु0अ0सं0 464/2026 धारा 304(2) बीएनएस से सम्बन्धित मोबाईल बरामदगी पर अभियोग में धारा 317(2) बीएनएस की बढोत्तरी की गयी तथा मु0अ0सं0 465/2026 धारा 317(2) बीएनएस व 3/25 आर्म्स एक्ट पंजीकृत किया गया। अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्तों से पूछताछ करने पर बताये कि हम लोग के एक अन्य साथी के साथ घूम फिर कर बरदहिया, गोला, विधियानी, मगहर, कटबंध आदि स्थानो पर मोटर साइकिल से जाकर कट्टा दिखाकर मोबाइल छीन लेते है। दिनाँक 30.05.2026 को हम चारो लोग मुखलिस पुर रोड पुल पर जाकर खड़े थे, उसी समय विधियानी तिराहा के तरफ से एक आटो वाला पुल पर आया।

हम चारो लोग टैम्पू चालक को रोककर उसको कट्टा दिखाकर उसके मोबाइल को छीन कर लेकर चले गये। जो मोबाइल टैम्पू चालक से छीने थे, वह मोबाइल जो अवधेश कुमार धुरिया के पास से आप लोगो द्वारा बरामद की गयी है और शेष 05 मोबाइल जो हम लोगो के पास मिला है, वह पाँचो मोबाइल मगहर कटबन्ध और अन्य जगहो से चलते फिरते आदमी से छिनकर लिए है।

हम लोग छिनैती के मोबाइलो को घूम फिर कर अज्ञात लोगो से पैसा लेकर बेच देते है, जो पैसा मिलता है हम लोग आपस में हिस्से के मुताबिक बाँटकर को खाते पीते और अपना खर्च चलाते है। अभियुक्तगण के बयान से ज्ञात हुआ है कि इनलोगो के द्वारा पूर्व में भी कई घटनाओं कारित की गयी हैं, जिनकी जाँच कर नियमानुसार विधिक कार्यवाही की जायेगी। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्तों के पास से झपटमारी की 06 अदद मोबाईल, 01 अदद अवैध तमंचा .315 बोर एवं घटना में प्रयुक्त 01 अदद मोटर साइकिल बरामद की गई।

दी शान सेंट्रल एकेडमी दुधारा के दो विद्यार्थियों ने लहराया परचम

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। विकास खण्ड सेमरियावा के दी शान सेंट्रल एकेडमी दुधारा के दो विद्यार्थियों ने जवाहर नवोदय विद्यालय की इंटरमीडिएट प्रवेश परीक्षा में सफल होकर जनपद का नाम रोशन किये हैं। दी शान सेंट्रल एकेडमी दुधारा के विद्यार्थी मोहम्मद हंजला खान और सौरभ कुमार ने इस वर्ष संपन्न जवाहर नवोदय विद्यालय की इंटरमीडिएट प्रवेश परीक्षा में सफलता प्राप्त किया हैं। बुद्धवार को विद्यालय के डायरेक्टर हाजी वसी अहमद खान ने विद्यालय परिसर में शील्ड देकर पुरस्कृत किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि जीवन में सफल होने के लिए निरंतर मेहनत, समय का सदुपयोग, लक्ष्य का निर्धारण बहुत ही आवश्यक हैं। कोई चीज असंभव नहीं है सिर्फ उसको हासिल करने का जूनून होना चाहिए। इन दोनों बच्चों ने जो सफलता प्राप्त की है वह उनकी कड़ी मेहनत और शिक्षकों के उचित मार्ग दर्शन को जाता है।

दुधारा पुलिस ने पिपरा बोरिंग बाजार में चलाया साइबर जागरूकता अभियान, ग्रामीणों को दिए सुरक्षा के टिप्स

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। बुद्धवार को दुधारा पुलिस ने थाना क्षेत्र के गांव पिपरा बोरिंग में साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर ग्रामीणों को जागरूक किया गया। इस दौरान काफी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान व जन-जागरूकता कार्यक्रमों के क्रम में थाना दुधारा क्षेत्र के ग्राम/बाजार पिपरा बोरिंग में एक वृहद साइबर जागरूकता अभियान के तहत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अभियान का नेतृत्व उपनिरीक्षक अनिल कुमार मिश्रा ने किया। पुलिस टीम में कांस्टेबल (का0) अनुज कुमार, महिला हेड कांस्टेबल (म0हे0का0) चाँदनी सिंह, रिक्रूट कांस्टेबल (रि0का0) हर्ष राजकुमार, रिक्रूट महिला कांस्टेबल (रि0म0का0) पल्लवी कश्यप तथा रिक्रूट महिला कांस्टेबल (रि0म0का0) अंकिता पाल शामिल रहीं।

कार्यक्रम के दौरान साइबर अपराधों से बचने के लिए दिए गए आवश्यक दिशा-निर्देशः अभियान के दौरान पुलिस टीम ने स्थानीय ग्रामीणों, दुकानदारों और राहगीरों को इकट्ठा कर वर्तमान समय में बढ़ रहे डिजिटल और साइबर अपराधों के प्रति सचेत किया। उ0नि0 अनिल कुमार मिश्रा ने कहा कि किसी भी अज्ञात व्यक्ति के साथ अपना बैंक खाता विवरण, एटीएम पिन या ओटीपी साझा न करें। मोबाइल पर आने वाले संदिग्ध लॉटरी, इनाम या नौकरी के झांसे वाले लिंक पर क्लिक करने से बचें।

अपनी निजी जानकारियां और तस्वीरें सोशल मीडिया पर अजनबियों के साथ साझा न करें। किसी भी प्रकार की साइबर धोखाधड़ी का शिकार होने पर तुरंत राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें या www.cybercrime.gov.in पर अपनी शिकायत दर्ज कराएं। कार्यक्रम के अंत में पुलिस टीम ने उपस्थित तमाम लोगों को सतर्क और सुरक्षित रहने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। ग्रामीणों ने पुलिस के इस प्रयास की सराहना की और भविष्य में भी ऐसे जागरूकता कार्यक्रमों के आयोजन की अपेक्षा की।

एटीएम कार्ड बदलकर खाते से 20 हजार उड़ाए, दी तहरीर

संतकबीरनगर(वेलकम इंडिया)। दुधारा थाना क्षेत्र के उसरा शहीद निवासी एक युवक के खाते से एटीएम कार्ड बदलकर रुपये निकाल लेने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने साइबर क्राइम एवं पुलिस को तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है। दुधारा थाना क्षेत्र के उसरा शहीद निवासी मोहम्मद सलीम पुत्र अब्दुल कलाम ने पुलिस को दिए प्रार्थना पत्र में बताया है कि वह भारतीय स्टेट बैंक के एटीएम कार्ड से सेमरियावां चौराहे पर स्थित एक एटीएम मशीन से रुपये निकालने पहुंचे थे। एटीएम में कार्ड लगाने पर धनराशि नहीं निकली। इसी दौरान पीछे खड़े एक अज्ञात व्यक्ति ने मदद करने के बहाने मशीन चलाने का अनुरोध किया। आरोप है कि इसी दौरान उक्त व्यक्ति ने उनका एटीएम कार्ड बदल लिया। पीड़ित को उस समय कार्ड बदले जाने की जानकारी नहीं हो सकी। बाद में बैंक शाखा पहुंचने पर उनके मोबाइल पर लगातार निकासी के संदेश आने लगे। जांच करने पर पता चला कि खाते से तीन बार 5–5 हजार रुपये, एक बार 4 हजार रुपये तथा एक बार 1,300 रुपये की निकासी की गई है। इस प्रकार खाते से कुल 20,300 रुपये निकाल लिए गए। मोहम्मद सलीम ने बताया कि सूचना मिलने पर बैंक शाखा प्रबंधक ने सुरक्षा की दृष्टि से खाते को तत्काल ब्लॉक कर दिया। पीड़ित ने पुलिस से एटीएम परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच कर आरोपित के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

दबिश के दौरान 01 वारण्टी अभियुक्त गिरफ्तार

संतकबीरनगर(वेलकम इंडिया)। दुधारा पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर गैर जमानतीय वारण्ट के तहत फरार चल रहे अभियुक्तों की गिरफ्तारी के क्रम में एक वारंटी अभियुक्त गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया। जनपद में वांछितों व न्यायालय में हाजिर न होने वाले अभियुक्तों के खिलाफ जारी गैर जमानतीय वारण्ट के तहत फरार चल रहे अभियुक्तों की गिरफ्तारी के क्रम में थाना दुधारा उ0नि0 राजेश कुमार सिंह, हे0का0 अनिल लाल ने 01 नफर वारण्टी रोहित पुत्र हरिश्चन्द्र निवासी मंझारी थाना दुधारा को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया।

सुप्रीम कोर्ट में 21 से 23 अगस्त तक लगेगी विशेष लोक अदालत

आपसी सहमति से होगा विवादों का निस्तारण, समय और खर्च दोनों की होगी बचत

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। देश के सर्वोच्च न्यायालय में 21, 22 और 23 अगस्त को विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में लोगों को जागरूक करने के लिए थाना परिसर में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से नियुक्त पैरालीगल वालंटियर चैनपाल सिंह फौजी ने जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विशेष लोक अदालत का आयोजन नई दिल्ली स्थित सर्वोच्च न्यायालय परिसर में किया जाएगा, जिसका उद्देश्य सर्वोच्च न्यायालय में लंबित ऐसे मामलों का आपसी सहमति और सुलह-समझौते के आधार पर निस्तारण करना है, जिनका समाधान सहमति से संभव है।

उन्होंने कहा कि लोक अदालत में दोनों पक्षों की सहमति से विवादों का समाधान कराया जाएगा, जिससे समय की बचत होगी, न्याय प्रक्रिया सरल बनेगी और मुकदमेबाजी पर होने वाले खर्च में भी कमी आएगी। यह पहल आम लोगों को त्वरित और सुलभ न्याय उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

उन्होंने बताया कि विशेष लोक अदालत में पारिवारिक विवाद, दुर्घटना दावा प्रकरण, चेक बाउंस के मामले, भूमि अधिग्रहण से जुड़े विवाद, श्रम संबंधी प्रकरण तथा अन्य ऐसे मामले शामिल किए जा सकते हैं, जिनका निस्तारण आपसी सहमति से संभव है। उन्होंने बताया कि इच्छुक पक्षकार अधिक जानकारी और सहायता के लिए जनपद के वन स्टॉप सेंटर अथवा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से संपर्क कर सकते हैं।

आवेदन के लिए गूगल फॉर्म भी उपलब्ध कराया गया है, जिसे सर्वोच्च न्यायालय की वेबसाइट पर जाकर आसानी से भरा जा सकता है। साथ ही उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक संख्या में इस अवसर का लाभ उठाने की अपील की।

बाइक हाईवे पर अनियंत्रित होकर गिरी, दंपति समेत चार घायल

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। दिल्ली-सहारनपुर हाईवे पर गांव जसाला के निकट रविवार को एक बुलेट बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गई। हादसे में बाइक पर सवार दंपति, दो वर्षीय मासूम बच्चे समेत चार लोग घायल हो गए। सूचना पर पहुंची 112 पुलिस ने सभी घायलों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। बुधवार को नोएडा के सेक्टर-12 निवासी आबिद अपनी पत्नी जहीरुल, दो वर्षीय पुत्र अली तथा रिश्तेदार मोहम्मद राणा के साथ बुलेट बाइक से देहरादून घूमने के लिए जा रहे थे। बताया गया कि जैसे ही उनकी बाइक थाना क्षेत्र के गांव जसाला के निकट दिल्ली-सहारनपुर हाईवे पर पहुंची, तभी अचानक संतुलन बिगड़ने से बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गई। हादसे में बाइक पर सवार सभी चारों लोग घायल हो गए। घायलों की चीख पुकार सुनकर राहगीरों की भीड़ जमा हो गई। राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही 112 पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को एंबुलेंस की सहायता से नगर के सरकारी अस्पताल उपचार के लिए भर्ती कराया। चिकित्सकों ने सभी घायलों का प्राथमिक उपचार कर हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया। हादसे के बाद पुलिस ने घायलों के परिजनों को हादसे की जानकारी दी है।

मासूम बच्ची को पुलिस ने परिजनों से मिलाया

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। कस्बे के रेलवे मार्ग पर लावारिस अवस्था में घूम रही एक मासूम बच्ची के मिलने से लोगों की भीड़ जुट गई। बच्ची के रोने पर आसपास के लोगों ने उसे संभालने का प्रयास किया। इसी दौरान समाजसेवी वाजिद अली बच्ची को अपने साथ लेकर थाने पहुँच गए।

थाने पर तैनात सिपाही रोशन सिंह और न्यायालय की ओर से नियुक्त चैनपाल सिंह ने बच्ची के परिजनों की तलाश शुरू की। आसपास के क्षेत्रों में खोजबीन की गई, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। इसके बाद बच्ची की फोटो सोशल मीडिया पर प्रसारित की गई।फोटो वायरल होने के कुछ समय बाद बच्ची के परिजन थाना पहुंच गए। पूछताछ और पहचान की प्रक्रिया पूरी होने पर बच्ची की पहचान पांच वर्षीय इसरा पुत्री हारून निवासी मोहल्ला शांति नगर, के रूप में हुई। सिपाही रोशन सिंह ने बताया कि बच्ची परिजनों से बिछड़कर रेलवे मार्ग पर पहुंच गई थी। आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद बच्ची को सकुशल उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। अपनी बेटी के सुरक्षित मिलने पर परिजनों ने पुलिस और सहयोग करने वाले लोगों का आभार व्यक्त किया है।

वर्क संस्था के सदस्य अमान खान ने अपने पिता अब्दुल हलीम खान की आंखे मरणोपरांत दान करी

गुलजार आलम

रामपुर(वेलकम इंडिया)। मानवता ही सबसे बड़ा धर्म हैं कि मिसाल कायम करते हुए वर्क संस्था के सदस्य अमान खान ने अपने पिता अब्दुल हलीम खान की आंखे मरणोपरांत दान कर मुस्लिम समाज में अंग दान कर प्रेरित किया।

रामपुर के घेर कलंदर खां निवासी अमान खान काफी समय से वर्ल्ड आर्गनाइजेशन रिलीसेज एंड नालेज संस्था से जुड़े हुए हैं। इस संस्था को वर्क संस्था के नाम भी जाना जाता हैं। वर्क संस्था के अध्यक्ष अल्लामा सैयद अब्दुल्लाह तारिक ने बताया कि यह रामपुर में मुस्लिम समाज में अंग दान करने का दूसरा मामला हैं।

उन्होने कहा कि गैर मुस्लिमों की ओर से यह ताना दिया जाता हैं कि मुसलमान अंग लेते हैं लेकिन स्वयं अंग दान नहीं करते। मृतक की आंखों का दान किया जा सकता हैं या नहीं। इस विषय में भारतीय उपमहाद्वीप के उलेमा की रायों में मतभेद पाया जाता हैं।

पाकिस्तान के प्रसिद्ध इस्लामी विद्वान शेख जावेद अहमद गामदी का कहना हैं कि यदि कोई व्यक्ति अपनी मृत्यु के बाद अपने अंग किसी जरूरतमंद को लगाये जाने की वसीयत करता हें तो उसके खिलाफ दीन की किसी स्पष्ट नस में निषेध का कोई आधार नहीं हैं।

इस्लामिक फिक्ह अकादमी आफ इंडिया के 2015 में केरल में आयोजित 24वें फिक्ह सेमिनार में इस विषय पर अंतिम निर्णय तक पहुंचे और बिना इस मामले को भविष्य के लिए स्थगित कर दिया गया था। इसके विपरीत मिस्त्र, मलेशिया, सिंगापुर, ब्रिटेन व अमेरिका के अनेक उलेमा अंगदान को मानवता की महान सेवा तथा सदका ए जारिया मानते हैं।

उल्लेखनीय हैं कि वर्क संगठन के 500 से अधिक कार्यकर्ता अपनी आंखे दान करने का संकल्प पत्र भर चुके हैं तथा संगठन के अध्यक्ष अब्दुल्लाह तारिक 2016 में ही अपने समस्त अंगों के दान का पंजीकरण करा चुके हैं। मरहूम के साहबजादे मौहम्मद अमान खां भी वर्क के सक्रिय कार्यकताओं में से हैं।

गांव नाला में बैंक शाखा खोलने की मांग, ग्रामीणों ने डीएम को सौंपा ज्ञापन

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। थाना क्षेत्र के गांव नाला के ग्रामीणों ने जिलाधिकारी आलोक यादव को ज्ञापन भेजकर गांव में बैंक शाखा स्थापित कराने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि गांव में बैंक की सुविधा न होने के कारण उन्हें बैंकिंग कार्यों के लिए दूसरे स्थानों पर जाना पड़ता है, जिससे समय और धन दोनों की हानि होती है।ग्रामीणों सुरेश, मनोज, विक्की, रामनरेश समेत अन्य लोगों ने बताया कि गांव में कोई बैंक शाखा नहीं है। बैंक संबंधी कार्यों के लिए उन्हें चार किलोमीटर दूर एलम या छह किलोमीटर दूर कांधला कस्बे में जाना पड़ता है। किसानों को गन्ना भुगतान से जुड़े कार्यों तथा वृद्धावस्था, विधवा और अन्य पेंशन योजनाओं की धनराशि निकालने के लिए भी लंबी दूरी तय करनी पड़ती है।ग्रामीणों का कहना है कि बुजुर्गों, महिलाओं और किसानों को विशेष रूप से परेशानी का सामना करना पड़ता है। उन्होंने,जिलाधिकारी से गांव नाला में बैंक शाखा खुलवाने की मांग करते हुए आवश्यक कार्रवाई किए जाने की अपील की है।

पुलिस उत्पीड़न मामले में एएसपी करेंगे जांच

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। कस्बे के मोहल्ला खेल निवासी कपड़ा व्यापारी आरिफ ने पुलिस पर अवैध हिरासत, मारपीट और 16 हजार रुपये वसूलने का आरोप लगाते हुए एडीजी मेरठ कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई है। पीड़ित का आरोप है कि मोहल्ले में हुए एक विवाद की सूचना देने के बाद पुलिस उसे थाने ले गई, जहां कई घंटों तक हिरासत में रखकर मारपीट की गई और उस पर दबाव बनाया गया। उसने मामले की शिकायत मुख्यमंत्री, डीजीपी सहित उच्चाधिकारियों से की थी, जिसके बाद जांच सीओ कैराना को सौंपी गई थी। इस बीच मामले से जुड़े एक गवाह का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद प्रकरण ने और तूल पकड़ लिया। मंगलवार को आरिफ ने परिजनों के साथ मेरठ पहुंचकर एडीजी कार्यालय में निष्पक्ष जांच की मांग की। मामले की गंभीरता को देखते हुए आईजी मेरठ जोन भानु भास्कर ने जांच एएसपी सुमित शुक्ला को सौंप दी है।

पाकिस्तान से धमकी मिलने के बाद आशुतोष ब्रह्मचारी की सुरक्षा बढ़ाई गई

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति निर्माण ट्रस्ट, मथुरा के अध्यक्ष एवं श्रीकृष्ण जन्मभूमि प्रकरण के मुख्य पक्षकार आशुतोष ब्रह्मचारी महाराज को पाकिस्तान के मोबाइल नंबर से धमकी मिलने के बाद पुलिस प्रशासन ने उनकी सुरक्षा बढ़ा दी है। एसपी के निर्देश पर उनकी सुरक्षा में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है।आशुतोष ब्रह्मचारी महाराज ने बताया कि एक जून की रात करीब 10:23 बजे पाकिस्तान के नंबर से उनके व्हाट्सएप पर लगातार कॉल आईं। कॉल करने वाले ने प्रस्तावित सनातन न्याय यात्रा को बम से उड़ाने की धमकी दी और भारत विरोधी टिप्पणियां कीं। साथ ही श्रीकृष्ण जन्मभूमि मामले में उनकी सक्रियता को लेकर भी आपत्तिजनक बातें कही गईं।उन्होंने बताया कि कॉल की रिकॉर्डिंग, स्क्रीनशॉट और अन्य साक्ष्य सुरक्षित कर लिए गए हैं तथा मामले की सूचना यूपी-112, थाना कांधला पुलिस और पुलिस अधीक्षक शामली को दी गई थी। उन्होंने केंद्र व राज्य सरकार से मामले की जांच और सुरक्षा बढ़ाने की मांग की थी।महाराज ने कहा कि वह किसी भी धमकी से डरने वाले नहीं हैं और सनातन न्याय यात्रा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार निकाली जाएगी। धमकी की सूचना के बाद पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गईं। बुधवार को सुरक्षा व्यवस्था कड़ी करते हुए उनकी सुरक्षा में अतिरिक्त पुलिसकर्मियों की तैनाती कर दी गई है, जबकि मामले की जांच पुलिस और खुफिया विभाग के द्वारा जारी है।

सलगवां गांव में अज्ञात महिला के नग्न शव मिलने के मामले में पुलिस का बड़ा खुलासा

वेलकम इंडिया संवाददाता

जहांगीराबाद। उत्तर प्रदेश में महिला सुरक्षा और कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करने वाली एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। कानपुर की एक रेप पीड़िता की हत्या कर उसके शव को हत्यारों ने करीब 450 किलोमीटर दूर जहांगीराबाद थाना क्षेत्र में फेंक दिया था। पुलिस की सघन जांच के बाद अब इस हत्याकांड की गुत्थी सुलझ गई है।

जानकारी के अनुसार कानपुर निवासी एक 21 वर्षीय युवती ने बीती 19 मई को कानपुर के बर्रा थाने में एक अस्पताल संचालक देवकांत उत्तम और एंबुलेंस चालक विवेक पटेल के खिलाफ शारीरिक शोषण (रेप) का मुकदमा दर्ज कराया था। एफआईआर दर्ज होने के दो - तीन दिनों बाद 22 मई को युवती संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई।

युवती के परिजनों ने अपहरण और हत्या की आशंका जताते हुए पुलिस से गुहार लगाई। उधर, 23 मई को जिला बुलंदशहर के जहांगीराबाद थाना क्षेत्र के गांव सलंगवा के समीप सड़क किनारे पुलिस को एक अज्ञात युवती का नग्न अवस्था में शव बरामद हुआ था।

पुलिस ने शिनाख्त के तमाम प्रयास किए, आसपास के क्षेत्रों में छानबीन की और गुमशुदगी के रिकॉर्ड खंगाले, लेकिन सफलता नहीं मिली। अंततः पहचान न हो पाने के कारण पुलिस ने कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए युवती के शव को अज्ञात मानकर उसका अंतिम संस्कार कर दिया।

कानपुर पुलिस ने जब लापता युवती के मामले में जांच तेज की, तो शक की सुई मुकदमे में नामजद आरोपियों की ओर मुड़ गई। कानपुर पुलिस ने सख्ती से पूछताछ के लिए एंबुलेंस चालक विवेक पटेल को हिरासत में लिया।

पूछताछ में उसने युवती की हत्या करने और शव को ठिकाने लगाने के लिए उसे 450 किलोमीटर दूर जहांगीराबाद क्षेत्र में फेंकने की बात स्वीकार कर ली। मामले का मुख्य आरोपी अस्पताल संचालक देवकांत उत्तम पहले ही कोर्ट में सरेंडर कर चुका है।

जांच के दायरे में पुलिस व्यवस्था

इस वीभत्स घटना ने पूरे प्रदेश को झकझोर कर रख दिया है। रेप का मुकदमा दर्ज कराने वाली पीड़िता की सुरक्षा न कर पाना और अपराधियों द्वारा सबूत मिटाने के लिए शव को इतनी दूर फेंक देने की दुस्साहसिक वारदात ने पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। वर्तमान में कानपुर और बुलंदशहर पुलिस इस मामले की कड़ियां जोड़ने में जुटी है ताकि आरोपियों को सख्त से सख्त सजा दिलाई जा सके।

पुलिस व एसडीआरएफ के अथक प्रयास से गोमती नदी में डूबे किशोर का शव बरामद

वेलकम इंडिया ब्यूरो

अमेठी/शुकुल बाजार। तेतारपुर गांव निवासी 15 वर्षीय मनीष पुत्र रंजन का शव पुलिस और एसडीआरएफ टीम के अथक प्रयासों के बाद गोमती नदी से बरामद कर लिया गया। शव मिलने के बाद परिजनों में कोहराम मच गया, वहीं पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई।

जानकारी के अनुसार मंगलवार की शाम लगभग 5 बजे मनीष अपने साथियों गोपाल पुत्र रामचरन, दानिश पुत्र अनीश, विशाल पुत्र भगोले तथा किशन पुत्र रामचरन के साथ गोमती नदी में नहाने गया था। इसी दौरान वह गहरे पानी में चला गया और नदी की धाराओं में लापता हो गया। घटना की सूचना मिलते ही परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंच गए तथा पुलिस को सूचना दी गई।

घटना के बाद पुलिस ने स्थानीय लोगों के सहयोग से तलाश शुरू कराई, लेकिन सफलता नहीं मिल सकी। बुधवार को मौके पर पहुंची एसडीआरएफ टीम ने पुलिस के साथ संयुक्त रूप से व्यापक खोज अभियान चलाया। घंटों की कड़ी मशक्कत और अथक प्रयास के बाद किशोर का शव नदी से बरामद कर लिया गया।

शव बरामद होते ही मौके पर मौजूद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। गांव में मातम का माहौल है और हर आंख नम दिखाई दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया तथा आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

ग्रामीणों ने पुलिस और एसडीआरएफ टीम के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि दोनों टीमों ने पूरी तत्परता और जिम्मेदारी के साथ खोज अभियान चलाया, जिसके परिणामस्वरूप शव बरामद हो सका और परिजनों को अपने बेटे का अंतिम दर्शन करने का अवसर मिला।

नवागत अधीक्षण यंत्री एम के गर्ग का फेडरेशन ने किया अभिनंदन

मदन वर्मा

इंदौर(वेलकम इंडिया)। अधीक्षण यंत्री, शहर वृत इन्दौर के पद पर धार से आये श्री एम के गर्ग का आज अभिनंदन स्वागत, मध्यप्रदेश विद्युत कर्मचारी संघ फेडरेशन व्दारा झोनल सेक्रेटरी एन के यादव के प्रतिनिधित्व में किया गया। गर्ग ने इस अवसर पर कहा कि फेडरेशन सकारात्मक सोच रखने वाला श्रमिक संघ है जो विपरीत परिस्थितियों में भी प्रबंधन को सहयोग करता है, मौसम परिवर्तन हुवा, प्रकृति ने रौद्र रुप दिखाया, आंधी तूफान बारिश से विद्युत व्यवधान हुवा लेकिन आप लोगों की तत्परता से बाधित विद्युत व्यवस्था निर्बाध रूप से सुचारू हो गई। हम लोग आपसी सहयोग से हर बाधा दूर कर लेंगे। स्वागत, अभिनंदन कत्ताओं में मदन वर्मा 'माणिक', उम्मेदसिंह राजपूत, जेएल जोशी, स्वाति वक्ते, शालिनी, जयेश अहिरवार, मोनू स्वामी, आशीष परमार, संजय सकरगाये, वीरेंद्र कुमार मिश्रा के साथ अनेक साथीगण उपस्थित रहे।

बी एन एग्रीटेक के न्यूटीका ब्रांड पर बढ़ा लोगों का भरोसा

उज्जवल रस्तौगी

मेरठ(वेलकम इंडिया)। मेरठ का ऐतिहासिक नौचंदी मेला हर वर्ष की तरह इस बार भी लोगों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। देशभर से आए विभिन्न ब्रांड्स और व्यापारिक संस्थानों के बीच इस बार जिस नाम ने सबसे ज्यादा लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा है, वह है न्यूट्रिका ब्रांड। मेले में आने वाले हजारों लोगों के बीच न्यूट्रिका ने अपनी गुणवत्ता और भरोसेमंद उत्पादों के दम पर एक खास पहचान बनाई है।

कंपनी के फाउंडर अनुभव अग्रवाल, डायरेक्टर स्पर्श सच्चार और वाइस प्रेसिडेंट चरण राजपूत के नेतृत्व में न्यूट्रिका लगातार नई उपलब्धियां हासिल कर रही है। उन्होंने बताया कि कंपनी का मुख्य उद्देश्य लोगों तक बेहतर गुणवत्ता वाले हेल्दी प्रोडक्ट्स पहुंचाना है।

इसी सोच के साथ कंपनी ने कभी भी क्वालिटी से समझौता नहीं किया और हर आयु वर्ग के लोगों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए अपने उत्पाद तैयार किए हैं। मेले में न्यूट्रिका के स्टॉल पर लोगों की भारी भीड़ देखने को मिल रही है।

खासतौर पर कंपनी के ब्लेंड ऑयल, येलो मस्टर्ड ऑयल, शहद और पीनट बटर को लोगों द्वारा बेहद पसंद किया जा रहा है। ग्राहकों का कहना है कि न्यूट्रिका के उत्पादों में स्वाद के साथ-साथ स्वास्थ्य का भी विशेष ध्यान रखा गया है।

जिसके कारण लोगों का विश्वास लगातार बढ़ता जा रहा है। न्यूट्रिका ब्रांड का आकर्षक स्टॉल और ग्राहकों के प्रति कंपनी का सकारात्मक व्यवहार भी लोगों को काफी प्रभावित कर रहा है।

मेले में आने वाले कई परिवारों ने न्यूट्रिका उत्पादों को अपनी रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बनाने की इच्छा जताई।

व्यापारिक विशेषज्ञों का मानना है कि जिस तरह से न्यूट्रिका ने कम समय में लोगों के बीच भरोसा कायम किया है, वह आने वाले समय में कंपनी को और बड़ी सफलता दिला सकता है। गुणवत्ता, विश्वास और स्वास्थ्य के प्रति समर्पण ही न्यूट्रिका ब्रांड की सबसे बड़ी ताकत बनकर उभर रहा है।

मेले में मेरठ की टीम के सदस्य अनिकुर रहमान, अमित सेतिया और अवयुक्त शहरावत पूरी तत्परता से मेले में आये लोगों का अभिवादन कर रहे हैं।

सरकारी पानी की टंकी से इन्वर्टर-बैटरी चोरी, तीन नामजदों पर मुकदमा दर्ज

वेलकम इंडिया संवाददाता

जहांगीराबाद। कोतवाली क्षेत्र के गांव रसूलपुर तैलिया (मैथना) में स्थित सरकारी पानी की टंकी से कीमती सामान चोरी होने का मामला सामने आया है। चोरों ने टंकी पर लगा इन्वर्टर और बैटरी पर हाथ साफ कर दिया। पीड़ित गार्ड की तहरीर पर पुलिस ने गांव के ही तीन लोगों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, गांव रसूलपुर तैलिया (मैथना) निवासी मनीष कुमार गांव की सरकारी पानी की टंकी पर बतौर गार्ड तैनात है। मनीष का आरोप है कि बीती 30 अप्रैल को कुछ चोरों ने टंकी परिसर में घुसकर वहां रखा इन्वर्टर और बैटरी चोरी कर ली। मनीष के अनुसार उसे घटना की जानकारी होने पर उसने उच्चाधिकारियों और स्थानीय पुलिस को अवगत कराया। गार्ड मनीष कुमार द्वारा पुलिस को दी तहरीर में गांव के ही तीन लोगों जाबीर पुत्र यूनिस, अंकित पुत्र रघुवर और अनार पुत्र ऐसवीर को नामजद किया है। मनीष ने आरोप लगाया है कि उक्त तीनों लोगों ने ही मिलकर इस चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर तीनों आरोपियों के खिलाफ चोरी समेत संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए स्थानीय पुलिस और फील्ड यूनिट की टीम मौके पर पहुंची और साक्ष्य जुटाए। इस संबंध में थाना प्रभारी सुदेश कुमार ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। पुलिस टीम साक्ष्यों के आधार पर जांच कर रही है और आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। जल्द ही आरोपियों को पकड़कर अग्रिम विधिक

पीड़ित परिवार ने पुलिस पर लगाया दुर्व्यवहार का आरोप, डीएम से की शिकायत

वेलकम इंडिया ब्यूरो

मुरादाबाद। थाना मझोला क्षेत्र में शिकायत दर्ज कराने गए एक परिवार ने पुलिस पर दुर्व्यवहार का आरोप लगाया है। परिवार का आरोप है कि घटना के बाद एक गर्भवती महिला की तबीयत बिगड़ गई, जिसे जिला महिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। एसएसपी से राहत न मिलने पर पीड़ित पक्ष ने बुधवार को जिलाधिकारी कार्यालय में ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में

पीड़ित पक्ष का आरोप है कि 28 मई को आरती अपने पति के साथ दवाई लेने जा रही थी। तभी महिपाल, अमरपाल व तीन अन्य लोगों से विवाद हो गया। सूचना पर पुलिस ने दोनों पक्षों को मंडी समिति पुलिस चौकी बुलाया। आरोप है कि चौकी पर पुलिसकर्मियों ने पीड़िता आरती के साथ अभद्रता की।

ज्ञापन में कहा गया है कि विरोध करने पर अपना दल कमेरावादी के जिलाध्यक्ष अंकित ठाकुर के साथ भी धक्का मुक्की हुई। वीडियो बनाने का प्रयास करने पर एक अन्य महिला के साथ भी अनुचित व्यवहार किया गया। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि इस दौरान गर्भवती आरती की हालत बिगड़ गई।

तबीयत बिगड़ने पर महिला को एसएसपी कार्यालय ले जाया गया, जहां से उसे जिला महिला चिकित्सालय रेफर किया गया। परिजनों के अनुसार आरती अभी भी जिला महिला चिकित्सालय में भर्ती है।

पीड़ित परिवार का आरोप है कि मझोला पुलिस द्वारा उन पर शिकायत वापस लेने का दबाव बनाया जा रहा है। परिवार के एक सदस्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई भी की गई है।

बुधवार को अपना दल कमेरावादी का प्रतिनिधिमंडल पीड़ित परिवार के साथ जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचा। अपर उप जिलाधिकारी को ज्ञापन देकर मामले की निष्पक्ष जांच और दोषी कर्मियों पर नियमानुसार कार्रवाई की मांग की गई। प्रतिनिधिमंडल में जिलाध्यक्ष अंकित ठाकुर के साथ कमलेश, आशीष, राकेश, दीपक, राकेश श्रीवास्तव, विशाल, आशीष और हरपाल सिंह मौजूद रहे।

पेड़ पर चढ़ा विशाल अजगर, गांव में मचा हड़कंप!

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। उस समय ग्रामीणों में दहशत फैल गई, जब जंगल क्षेत्र में एक विशालकाय अजगर पेड़ पर चढ़ा दिखाई दिया। करीब 8 से 9 फीट लंबे अजगर को देखकर लोगों के होश उड़ गए और मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। मामला बुलंदशहर के खानपुर थाना क्षेत्र के गांव ढकरोली के जंगलों का है, जहां पेड़ पर लिपटे विशाल अजगर को देखकर ग्रामीणों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। लोगों ने तुरंत इसकी सूचना वन विभाग को दी, लेकिन ग्रामीणों का आरोप है कि सूचना के काफी देर बाद भी वन विभाग की टीम मौके पर नहीं पहुंची।

अजगर के पेड़ पर चढ़े होने का वीडियो स्थानीय लोगों ने अपने मोबाइल में कैद कर लिया, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में विशालकाय अजगर पेड़ की शाखाओं पर लिपटा हुआ दिखाई दे रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि आसपास खेतों और जंगलों में लोगों का आना-जाना लगा रहता है। ऐसे में अजगर की मौजूदगी से किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है। वन विभाग की देरी से ग्रामीणों में नाराजगी भी देखने को मिल रही है। पेड़ पर चढ़े इस विशाल अजगर ने पूरे इलाके में दहशत का माहौल बना दिया है। अब सवाल यह है कि सूचना के बावजूद वन विभाग की टीम आखिर कब तक मौके पर पहुंचेगी और ग्रामीणों को इस खतरे से राहत दिलाएगी।

मछली मण्डी के निमार्णाधीन गेट भर-भराकर गिरने से एक की मौत छह घायल

असदुल्लाह सिद्दीकी

तुलसियापुर/सिद्धार्थनगर(वेलकम इंडिया)। जनपद सिद्धार्थनगर के विकास खण्ड बढ़नी अन्तर्गत तुलसियापुर चौराहे के मधवापुर में निमार्णाधीन मछली मण्डी के गेट के अचानक गिर जाने से एक मजदूर की मलबे में दबकर मृत्यु हो जाना तथा 06 अन्य मजदूरों के घायल हो जाने का एक बड़ा हादसा प्रकाश में आया है।

आपको बता दें कि लगभग 5.56 करोड़ रुपये की लागत से बन रही इस मछली मण्डी के गेट का इस प्रकार ढह जाना अनियमितताओं, भ्रष्टाचार तथा निम्न गुणवत्ता सम्बन्धी शिकायतों को सत्यापित करता है। गत 19 मई को अधिकारियों द्वारा मछली मण्डी निर्माण कार्य का निरीक्षण कर चुके थे, फिर भी क्षेत्र के स्थानीय नागरिकों द्वारा लगातार दी जा रही सूचनाओं को नजरअंदाज किया गया कि उक्त निर्माण कार्य में मानकों की घोर अनदेखी की जा रही है तथा गुणवत्ताहीन सामग्री का प्रयोग हो रहा है। यदि कार्य मानकों के अनुरूप होता तो बिना किसी आंधी-तूफान या प्राकृतिक आपदा के निमार्णाधीन गेट इस प्रकार भर-भराकर नहीं गिरता। बताया जा रहा है कि इतनी बड़ी दुर्घटना घटित होने के बाद भी लगभग दो से ढाई घंटे तक जिला प्रशासन या तहसील प्रशासन का कोई भी जिम्मेदार अधिकारी घटनास्थल पर नहीं पहुंचा। एसडीएम शोहरतगढ़ एवं अन्य अधिकारी कहाँ थे?

किसी भी जिम्मेदार अधिकारी का मौके पर न पहुंचना घोर लापरवाही को दशार्ता है। परिणाम स्वरूप एक मजदूर लम्बे समय तक मलबे में दबा रहा और समय पर उचित बचाव कार्य न होने के कारण उसकी मृत्यु हो गई। उक्त घटना जिला प्रशासन की घोर लापरवाही, अकर्मण्यता तथा संवेदनहीनता का प्रमाण है।

जनगणना-2027 के कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, 3 दिन में प्रगति सुधारें

बुलंदशहर(वेलकम इंडिया)। बुधवार को अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व श्री अभिषेक कुमार सिंह की अध्यक्षता में आज जूम एप के माध्यम से 'जनगणना–2027' के अंतर्गत चल रहे मकानों की गणना और मकान सूचीकरण (House Listing) कार्यों के संबंध में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) ने मकान सूचीकरण कार्यों की वर्तमान स्थिति की बिंदुवार समीक्षा की। उन्होंने कुछ क्षेत्रों में कार्य की धीमी गति पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की और सभी संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट चेतावनी दी कि जनगणना जैसे राष्ट्रीय महत्व के कार्य में किसी भी प्रकार की शिथिलता या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व)ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि अगले तीन दिनों के भीतर मकान सूचीकरण कार्यों की प्रगति (प्रोग्रेस) को अनिवार्य रूप से बढ़ाया जाए। उन्होंने सभी को आपस में बेहतर समन्वय बनाकर कार्य को समय से और त्रुटिहीन ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि संबंधित अधिकारी अपने अपने क्षेत्र में निरीक्षण कर मकान सूचीकरण कार्यों की प्रगति को अवश्य देखते रहें और लक्ष्य को पूर्ण कराएं। उन्होंने कहा कि निर्धारित समय–सीमा के भीतर जिन अधिकारियों के क्षेत्र की प्रगति कम या असंतोषजनक पाई जाएगी, उनके विरुद्ध नियमानुसार सख्त आवश्यक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। वर्चुअल समीक्षा बैठक में जनपद के समस्त उप जिलाधिकारी समस्त तहसीलदार, समस्त अधिशासी अधिकारी (चार्ज अधिकारी), जिला पंचायत राज अधिकारी, जिला अर्थ एवं सांख्यिकी अधिकारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी तथा समस्त खंड शिक्षा अधिकारी मुख्य रूप से जुड़े रहे।

मानसून से पहले नालों की सफाई पर सख्ती, 10 जून तक पूरा करले: सना मामून

गुलजार आलम

रामपुर(वेलकम इंडिया)। नगर पालिका चेयरपर्सन सना मामून ने मानसून के मौसम को देखते हुए नगर पालिका परिषद में सफाई खाद्य निरीक्षकों की बैठक की। बैठक में तय हुआ कि शहर के सभी छोटे, बडे व मझौले नालों की सफाई का काम दस जून तक हर हाल में पूरा किया जायेगा। उद्देश्य साफ हैं कि बारिश में शहर में जलभराव की समस्या न हो और आम जनता को परेशानी से बचाया जा सकें। पालिका चेयरपर्सन सना मामून ने उन वार्डो में युद्व स्तर पर सफाई कराने के निर्देश दिये जहां काम धीमा चल रहा हैं। साथ ही चेतावनी दी कि अगर मानसून में कहीं भी जलभराव होता हैं तो संबंधित वार्ड के सफाई निरीक्षक सीधे जिम्मेदार होंगे। बैठक में वार्ड संख्या 25,26 और 13 की सफाई व्यवस्था को असंतोष जनक पाते हुए पालिकाध्यक्ष ने गहरा रोष व्यक्त किया और सुधार के निर्देश दिये। इसके अलावा नेशनल हाइवे की पुलिया की सफाई के लिए एनएसएआई को पत्र भेजने और पालिका परिसर की पुलिया स्वयं साफ कराने के निर्देश दिये गये। पालिका चेयरपर्सन सना खानम ने कहा कि शहर की सफाई व्यवस्था पालिका परिषद की जिम्मेदारी हैं और बरसात के मौसम में जलभराव की समस्या को रोकने के लिए पुख्ता इंतेजाम किये गये हैं ताकि लोगों परेशानी का सामना न करना पड़े। मुख्य सफाई निरीक्षक दिलशाद हसन सहित सभी सफाई निरीक्षक बैठक में मौजूद थे।

आवारा कुत्ते ने कई लोगों पर हमला कर किया घायल

वेलकम इंडिया संवाददाता

बागेश्वर। तहसील मार्ग क्षेत्र में एकाएक एक आवारा कुत्ते के आतंक से लोग भयभीत है।आवारा कुत्ते ने विकास भवन मार्ग, और अग्निकुंड के समीप घूमने जाने वाले कई लोगों पर झपट्टा मारकर कई लोगों को काट दिया है। आवारा कुत्ता किसका है क्यों इस तरह सड़क पर चलते लोगो को अपने कटखने दांतो से काटकर घायल कर रहा है, यह किसी को भी समझ नही आ पा रहा है।

लोगों ने कुत्ते के पागल होने का अनुमान लगाते हुए रैबीज का संक्रमण फैलने का अंदेशा जताते हुए पालिका, व पुलिस प्रशासन से ऐसे कुत्ते को रेस्क्यू किए जाने की मांग की है।पागल कुत्ता लगातार तीन दिनों से कई लोगों पर हमला कर उन्हें काट चुका है। मंगलवार को भी आवारा कुत्ते ने आतंक मचा दिया। कुत्ते ने अब तक अलग-अलग स्थानों पर कई पैदल जा रहे लोगों पर हमला कर उन्हें घायल कर दिया है।

घटना के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घायल हुए लोगों में कुत्ते के संक्रमित होने का भय सता रहा है वहीं रैबीज होने से बचाव के लिए लोग तत्काल उपचार हेतु जिला अस्पताल पहुंच रहे है, जहां उन्हें प्राथमिक उपचार के साथ एंटी रेबीज इंजेक्शन लगाए जा रहे है। गोपाल सिंह, राम सिंह प्रकाश चंद्र, प्रताप सिंह जगदीश कुमार, किशोर चन्द्र,दीपा तिवारी राजेन्द्र प्रसाद आदि ने पालिका और जिला प्रशासन से तत्काल लोगों के लिए खतरे का पर्याय बन रहे कुत्ते को पकड़कर पशुपालन विभाग से उसका इलाज कराए जाने की अपील की है।

वैश्य कुटुम्ब सेवा समिति की ओर से हनुमान जी को चोला चढ़ाया गया, हनुमान चालीसा का 51 बार पाठ किया

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर (मोदी मंदिर) के हनुमान मंदिर में ज्येष्ठ माह के दूसरे बड़े मंगलवार को स्थानीय वैश्य कुटुम्ब सेवा समिति की ओर से हनुमान चालीसा के 51 बार पाठ किया गया। हनुमान मंदिर के विद्वान पंडित विष्णु दत्त भट्ट ने बताया कि हनुमान चालीसा पाठ प्रारंभ करने से पूर्व इस संस्था की ओर हनुमान जी को चोला चढ़ाया गया।

इसी के साथ-साथ चने, नारियल, फल और मिष्ठान अर्पित किया गया। उसके बाद विधिवत रूप से हनुमान जी महाराज की पूजा अर्चना कर हनुमान चालीसा का सस्वर पाठ शुरू हुआ।

इसमें इस संस्था जुड़ी सभी महिला श्रद्धालु ने भाग लिया। पाठ समापन के बाद पंडित जी ने इस संस्था की ओर हनुमान जी महाराज की आरती की तथा इस कार्यक्रम में शामिल और वहां उपस्थित श्रद्धालुओं प्रसाद वितरित किया। हनुमान चालीसा पाठ में शामिल सभी श्रद्धालुओं ने बड़ी ही तन्मयता और श्रद्धा भाव से पाठ किया।

इस कार्यक्रम में शामिल श्रद्धालुओं की संख्या इतनी अधिक थी कि हनुमान मंदिर परिसर छोटा पड़ गया।

इस कार्यक्रम का मंदिर प्रसाद चढ़ाने आए श्रद्धालुओं ने भरपूर आनंद लिया। वह भी हनुमान चालीसा पाठ में शामिल हुए। पंडित जी ने यह भी जानकारी दी कि इसी संस्था की ओर से इससे पूर्व ज्येष्ठ मास के चार मंगलवार को मोदीनगर के विभिन्न हनुमान मंदिरों में इसी प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए गए। यह संपूर्ण कार्यक्रम श्रीमती वर्षा गुप्ता की अगुवाई में संपन्न हुआ। इसमें उक्त संस्था से जुड़ी सभी महिला श्रद्धालुओं भाग लिया।

इस अवसर पर एकता अग्रवाल, अर्चना, पारूल मोदी, आरती, मन्जू, रीमा, नैना, प्रीति, नीरू, रीतू, रश्मि, निधि, प्रिंयका, शालिनी, चीनू, ललिता, सीमा, कल्पना, आशा, दीप्ती, स्वाति, प्रतिभा, भावना, अंजलि, शालू, प्रिंयका, रश्मि, कर्तिका, रेखा, निधि गुप्ता, विभा, कविता आदि उपस्थित रही।

दहेज उत्पीड़न के मामले में निवाड़ी थाने में तैनात दरोगा पर जबरन ससुराल पक्ष के साथ समझौता कराने आरोप

वेलकम इंडिया संवाददाता

मोदीनगर। दहेज उत्पीड़न के मामले में निवाड़ी थाने में तैनात एक दरोगा पर बिना जानकारी के ससुराल पक्ष के लोगों के साथ समझौता लिखवाने के आरोप लगे हैं। पीड़िता के साथ किसान नेताओं ने कार्रवाई नहीं होने पर पुलिस आयुक्त कार्यालय पर धरना-प्रदर्शन करने की चेतावनी दी है।

निवाड़ी थाना क्षेत्र के गांव नगला मूसा निवासी शहनाज के अनुसार, उसकी शादी लोनी में हुई थी। दहेज की मांग के चलते पति समेत ससुराल पक्ष के लोग उसे प्रताड़ित करते थे। आए-दिन उसके साथ मारपीट की जाती थी। आरोप है कि ससुराल पक्ष के लोगों ने मारपीट कर महिला को घर से निकाल दिया।

छह महीने पहले पीड़िता ने निवाड़ी थाने में तहरीर दी। पुलिस के कार्रवाई नहीं करने पर पीड़िता ने उच्चाधिकारियों से शिकायत की। इसके चलते दो दिन पहले विवेचनाधिकारी ने पीड़िता के परिजनों को थाने में बुलाया।

थाने में लड़के पक्ष के लोग भी आए थे। देर रात तक पीड़िता के परिजनों को थाने में बैठाकर गाली-गलौज की और जबरन ससुराल पक्ष के साथ समझौता करा दिया गया। पीड़िता ने थाने में पहुंचकर इसका विरोध किया, तो दरोगा ने उनके साथ अभद्रता की। बुधवार को पीड़िता ने भाकियू किसान यूनियन किसान सभा से संपर्क किया।

सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सत्येंद्र त्यागी का कहना है कि मामले से पुलिस महकमे के उच्चाधिकारियों को अवगत करा दिया गया। कार्रवाई नहीं होने पर पुलिस आयुक्त कार्यालय पर धरना दिया जाएगा। एसीपी मोदीनगर भाष्कर वर्मा का कहना है कि मामले में जांच कराई जा रही है।

भाकिम मोर्चा के आंदोलन के बाद मोदीनगर-कलछीना मार्ग पर कार्य प्रारंभ

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। भारतीय किसान मजदूर मोर्चा द्वारा जन समस्याओं को लेकर हाल ही में किए गए धरना प्रदर्शन के बाद मोदीनगर कलछीना बढ़ाएला मार्ग पर कार्य प्रारंभ हो गया है। भारतीय किसान मजदूर मोर्चा के बैनर तले डॉ बबली गूजर, नीरज प्रजापति वह राहुल प्रधान के नेतृत्व में 30 मई को विभिन्न मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन तहसील परिसर में किया गया था। जिसमें मोदीनगर कलछीना बढ़ाएला पिलखुआ मार्ग भी मुख्य मुद्दा था। जिसमें पीडब्लूडी के एई व एसडीएम मोदीनगरवह संगठन के पदाधिकारियों के साथ त्रिपक्षीय वार्ता हुई थी।

पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों ने 3 दिन में रोड पर काम शुरू कराने का आश्वासन दिया था। कल पीडब्ल्यूडी की तरफ से रोड पर पत्थर की गाड़ियां उतारी गई हैं और कल से लेवर लगाकर काम शुरू कर दिया जाएगा। डॉक्टर बबली गुर्जर व राहुल प्रधान ने इस सफलता के लिए सहयोगी जनता को धन्यवाद देते हुए कहा कि अन्याय के खिलाफ जनहित के कई मुद्दों को लेकर आंदोलन जारी रहेंगे जल्द ही एक और बड़ा आंदोलन शुरू किया जाएगा जिसमें आप सभी के सहयोग की आवश्यकता पड़ेगी।

आबकारी सिपाही रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार, देसी शराब ठेकेदार से ले रहा था घूस

वेलकम इंडिया संवाददाता

मोदीनगर। एंटी करप्शन टीम ने आबकारी विभाग के एक सिपाही को 6 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी के दौरान उसने भागने की कोशिश की, लेकिन टीम ने करीब 50 मीटर तक पीछा कर उसे पकड़ लिया। आरोप है कि सिपाही एक देसी शराब ठेकेदार से हर महीने रिश्वत की मांग कर रहा था। रुपए न देने पर चालान काटने तथा ठेका बंद कराने की धमकी देता था। पहले आबकारी विभाग से शिकायत की गई, लेकिन कार्रवाई न होने पर उन्होंने 10 दिन पहले मेरठ की एंटी करप्शन टीम से संपर्क किया। मोदीनगर थाना क्षेत्र के सिहानी गांव के रहने वाले भीम सिंह भोजपुर के तहलेटा गांव में देसी शराब का ठेका चलाते हैं। आरोप है कि आबकारी विभाग में तैनात सिपाही जगत सिंह पिछले 4 महीनों से उनसे हर महीने 6 हजार रुपए की रिश्वत मांग रहा था। भीम सिंह का कहना है कि रुपए न देने पर सिपाही चालान काटने और ठेका बंद कराने की धमकी देता था। भीम सिंह ने पहले आबकारी विभाग के अधिकारियों से शिकायत की, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद उन्होंने करीब 10 दिन पहले मेरठ की एंटी करप्शन टीम से संपर्क कर पूरे मामले की जानकारी दी। शिकायत मिलने पर निरीक्षक राहुल कुमार के नेतृत्व में 8 सदस्यीय टीम का गठन किया गया और आरोपी को पकड़ने के लिए ट्रैप की योजना बनाई गई।

बुधवार को मोदीनगर तहसील परिसर स्थित आबकारी विभाग के कार्यालय के पास एंटी करप्शन टीम ने जगत सिंह को 6 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया। गिरफ्तारी के दौरान उसने टीम की पकड़ से छूटकर भागने की कोशिश की, लेकिन करीब 50 मीटर तक पीछा करने के बाद टीम ने उसे दबोच लिया। इसके बाद आरोपी को मोदीनगर थाने लाया गया।

सूर्यप्रताप हत्याकांड में पुलिस को बड़ी सफलता, 25 हजार का इनामी आरोपी सारिक मेवाती गिरफ्तार

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। थाना खोड़ा पुलिस ने सूर्यप्रताप हत्याकांड में वांछित चल रहे 25 हजार के इनामी आरोपी सारिक मेवाती को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। आरोपी की गिरफ्तारी नहर पटरी इंदिरापुरम अंडरपास के पास से मुखबिर की सूचना पर की गई। 28 मई 2026 को खोड़ा क्षेत्र में हुई घटना में यश चौहान के भाई सूर्यप्रताप पर आरोपियों ने चाकू से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया था। उपचार के दौरान नोएडा के फोर्टिस अस्पताल में उनकी मृत्यु हो गई थी। इस मामले में थाना खोड़ा पर हत्या समेत विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। जांच के दौरान मुख्य आरोपी असद पुलिस मुठभेड़ में घायल हुआ था, जिसकी बाद में इलाज के दौरान मौत हो गई। वहीं, आरोपी नवाब, फरहान और आतिफ को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। फरार चल रहे आरोपी सारिक मेवाती की गिरफ्तारी पर वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा 25 हजार का इनाम घोषित किया गया था। थाना खोड़ा पुलिस की टीम लगातार संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही थी। इसी क्रम में बुधवार को पुलिस ने सारिक मेवाती को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी मूल रूप से अलीगढ़ जिले के छर्रा क्षेत्र का निवासी है और वर्तमान में खोड़ा कॉलोनी में रह रहा था।

सुंदर लिखावट बनेगी सफलता की कुंजी: CBSE ऑन-स्क्रीन मार्किंग कार्यशाला में छात्रों को मिला विशेष प्रशिक्षण

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। बोर्ड परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन और नई मूल्यांकन प्रणाली की जानकारी देने के उद्देश्य से ई-होम ट्यूटर्स द्वारा संचालित राइट राइट इंस्टीट्यूट में सीबीएसई ऑन-स्क्रीन मार्किंग (OSM) एवं प्रभावी हस्तलेखन विषय पर सात दिवसीय विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में विद्यार्थियों को उत्तर लेखन की कला और साफ-सुथरी लिखावट के महत्व से अवगत कराया गया। संस्था के निदेशक एवं हैंडराइटिंग ट्रेनर सौरभ गर्ग ने बताया कि सीबीएसई द्वारा उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन में ऑन-स्क्रीन मार्किंग प्रणाली का उपयोग बढ़ाया जा रहा है। इस प्रणाली में उत्तर पुस्तिकाओं को स्कैन कर कंप्यूटर स्क्रीन पर जांचा जाता है, इसलिए स्पष्ट और व्यवस्थित लिखावट छात्रों के लिए अतिरिक्त लाभ साबित हो सकती है। कार्यशाला के दौरान विद्यार्थियों को प्रभावी उत्तर लेखन, उचित शब्द चयन, शीर्षक एवं उपशीर्षकों का प्रयोग, अनुच्छेदों की प्रस्तुति और आकर्षक हस्तलेखन की तकनीकों का प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही नियमित अभ्यास, सही बैठने की मुद्रा और अक्षरों की एकरूपता बनाए रखने के उपाय भी बताए गए। समापन अवसर पर आयोजित प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों आरोही, आदित्य गर्ग, रियांश बरारा और प्रथम मोदी को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। प्रतिभागियों ने कार्यशाला को उपयोगी एवं प्रेरणादायक बताते हुए इसकी सराहना की। संस्था के निदेशक सौरभ गर्ग ने कहा कि इस तरह की कार्यशालाएं विद्यार्थियों को न केवल परीक्षा में बेहतर अंक दिलाने में मदद करती हैं, बल्कि उनके आत्मविश्वास और प्रस्तुतीकरण कौशल को भी मजबूत बनाती हैं।

चलती बस से मोबाइल स्नैचर को दबोचने वाले जांबाज टीएसआई रमेश पवार सम्मानित, चोट और फ्रैक्चर के बावजूद नहीं छोड़ा पीछा

कपिल चौहान

नोएडा। ट्रैफिक व्यवस्था संभालने के साथ-साथ अपराधियों पर भी पैनी नजर रखने वाले ट्रैफिक पुलिस के टीएसआई रमेश पवार ने साहस और कर्तव्यनिष्ठा का ऐसा उदाहरण पेश किया, जिसकी हर ओर सराहना हो रही है। चलती बस से मोबाइल स्नैच कर भाग रहे एक बदमाश को उन्होंने बहादुरी दिखाते हुए पकड़ लिया। मोबाइल स्नैचिंग की घटना के बाद आरोपी भागने का प्रयास कर रहा था। इसी दौरान टीएसआई रमेश पवार ने तत्काल कार्रवाई करते हुए उसका पीछा किया। बदमाश को पकड़ने के दौरान उनके हाथ में गंभीर चोट आई और उंगली में फ्रैक्चर भी हो गया, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और आरोपी को दबोच लिया। घायल अवस्था में भी टीएसआई रमेश पवार ने बदमाश को थाना-39 पुलिस के सुपुर्द कर दिया। उनकी इस बहादुरी और कर्तव्यपरायणता की पुलिस विभाग सहित आम लोगों ने भी प्रशंसा की है। पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने टीएसआई रमेश पवार के साहस, उत्कृष्ट पुलिसिंग और कर्तव्यनिष्ठा की सराहना करते हुए उन्हें 5100 नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया। टीएसआई रमेश पवार की इस कार्रवाई ने साबित कर दिया कि पुलिसकर्मी केवल यातायात संचालन तक सीमित नहीं हैं।

संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर के पांचवें दिन कैडेटों को ड्रिल और मार्च पास्ट का अभ्यास कराया

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी एनसीआर मोदीनगर में 35 बटालियन एनसीसी द्वारा बटालियन कमांडिंग ऑफिसर कर्नल पीयूष कुमार सिंह तथा एडम ऑफिसर गुरमीत सिंह गुजराल के नेतृत्व में चलने वाले संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर के पांचवें दिन पहले चरण में कैडेटों को ड्रिल और मार्च पास्ट का अभ्यास कराया गया।

दूसरे चरण में एन सी सी इंस्ट्रक्टरो और ए एन ओ के द्वारा सिविल डिफेंस के बारे में कैडेटों को समझाया। सूबेदार बसंत कुमार थापा सेना मेडल ने अपने सैनिक जीवन काल से जुड़े संस्मरण सुना कर कैडेटों में देशभक्ति जगाने का काम किया।

तीसरे चरण मे कैडेटों के बीच 200 मीटर दौड़ प्रतिस्पर्धा कराई गई। इस दौड़ में गर्ल तथा बॉयज कैडेटों ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया। इन सभी आयोजनों में सुबेदार मेजर लेफ्टिनेंट परमानंद, कैप्टन रजनीश जिंदल, फर्स्ट ऑफिसर रितेश राय, सेकेंड ऑफिसर गुडडु गुप्ता, सी टी ओ डॉ ए-कथिरेशन, एनसीसी इंस्ट्रक्टर देवराज सिराधना, बी एच एम पंकज कुमार, सुबेदार, सूर्यमान घाले, गर्ल कैडेट इंस्ट्रक्टर सोनिया तथा ज्योति आदि का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

लोनी में अपराधियों की शामत: 708 बदमाशों का सत्यापन, पुलिस का मेगा सर्च ऑपरेशन चर्चा में

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। कमिश्नरेट गाजियाबाद पुलिस ने अपराध और अपराधियों पर शिकंजा कसने के लिए थाना लोनी क्षेत्र में मंगलवार को मेगा सर्च ऑपरेशन एवं भौतिक सत्यापन अभियान चलाया। पुलिस आयुक्त के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त मुख्यालय/अपराध केशव कुमार चौधरी और डीसीपी ग्रामीण जोन सुरेन्द्रनाथ तिवारी के नेतृत्व में पुलिस टीमों ने क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में सघन जांच और सत्यापन किया। अभियान के दौरान संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान की गई, दस्तावेजों की जांच की गई और अपराधियों की गतिविधियों पर नजर रखी गई। पुलिस का उद्देश्य क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को और अधिक मजबूत करना तथा आम नागरिकों में सुरक्षा का विश्वास बढ़ाना है। पुलिस द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार थाना लोनी क्षेत्र में रहने वाले कुल 708 अपराधियों का सत्यापन किया गया। इनमें 88 हिस्ट्रीशीटर, 92 लुटेरे, 162 चोर, 54 स्नेचर, 19 हत्या के आरोपी, 56 दुष्कर्म/छेड़छाड़ के आरोपी तथा 237 अन्य श्रेणी के अपराधी शामिल हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि अपराधियों की निगरानी और अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए ऐसे अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे। इस कार्रवाई को क्षेत्र में अपराध नियंत्रण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

ऑपरेशन क्लीन: खोड़ा में अपराधियों पर पुलिस की पैनी नजर, हिस्ट्रीशीटरों का हुआ सत्यापन

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद द्वारा संचालित 'ऑपरेशन क्लीनर अभियान के तहत थाना खोड़ा क्षेत्र में अपराधियों और हिस्ट्रीशीटरों के सत्यापन के लिए विशेष अभियान चलाया गया।

पुलिस आयुक्त जे. रविन्दर गौड़ के निर्देशन में हुए इस अभियान का उद्देश्य क्षेत्र में अपराध नियंत्रण, कानून-व्यवस्था को मजबूत करना तथा आपराधिक प्रवृत्ति के व्यक्तियों पर प्रभावी निगरानी बनाए रखना रहा। अभियान के दौरान अपर पुलिस उपायुक्त (यातायात) वरुण कुमार सिंह, सहायक पुलिस आयुक्त इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव तथा प्रभारी निरीक्षक नरेश शर्मा पुलिस बल के साथ मौजूद रहे।

पुलिस ने लूट, हत्या, स्नैचिंग समेत विभिन्न गंभीर अपराधों में संलिप्त रहे अपराधियों और हिस्ट्रीशीटरों को थाना परिसर में बुलाकर उनके वर्तमान निवास, रोजगार, गतिविधियों एवं अन्य आवश्यक जानकारियों का सत्यापन किया।

सत्यापन प्रक्रिया के दौरान अपराधियों की वर्तमान गतिविधियों की समीक्षा की गई और उन्हें भविष्य में किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि से दूर रहने की शपथ दिलाई गई। साथ ही आमजन में भय का माहौल न बनाने और कानून का पालन करने के निर्देश दिए गए। पुलिस अधिकारियों ने चेतावनी दी कि भविष्य में किसी भी अपराध या अवैध गतिविधि में संलिप्त पाए जाने पर संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए ऐसे विशेष अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे, जिससे अपराध पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके और आमजन में सुरक्षा की भावना मजबूत हो।

सूर्या चौहान हत्याकांड के बाद डासना में बड़ा एक्शन

डासना में गरजा बुलडोजर, एक हेक्टेयर सरकारी जमीन से हटाया गया अवैध मदरसा

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। जनपद में सरकारी भूमि पर अवैध कब्जों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत जिला प्रशासन और पुलिस ने बुधवार को डासना क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए ग्राम सभा की करीब एक हेक्टेयर भूमि पर निर्मित अवैध मदरसे जामिया अरबिया इशातुल इस्लाम को ध्वस्त कर दिया। प्रशासन की इस कार्रवाई को हाल के दिनों में सरकारी जमीनों को कब्जामुक्त कराने की दिशा में सबसे बड़ी कार्रवाइयों में से एक माना जा रहा है। भारी पुलिस बल और प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में बुलडोजर चलाकर अवैध निर्माण को हटाया गया तथा भूमि को ग्राम सभा के कब्जे में दिलाया गया।

प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार ग्राम डासना स्थित खसरा संख्या 1548ख की भूमि राजस्व अभिलेखों में ग्राम सभा एवं सरकारी भूमि के रूप में दर्ज है। जांच के दौरान पाया गया कि उक्त भूमि पर बिना वैध अनुमति के मदरसा संचालित किया जा रहा था।

लगभग एक हेक्टेयर क्षेत्रफल में फैले इस परिसर में सात बड़े पक्के कमरे, दो शौचालय, एक विद्युत कक्ष, दो कमरों पर टिन शेड, बाउंड्रीवाल तथा अन्य निमार्णाधीन ढांचे मौजूद थे। प्रशासन ने इन्हें अवैध मानते हुए ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की।

राजस्व विभाग की रिपोर्ट के आधार पर उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता-2006 की धारा 67 के तहत वाद संचालित किया गया। मामले की सुनवाई के बाद तहसीलदार (न्यायिक) एवं असिस्टेंट कलेक्टर प्रथम श्रेणी, गाजियाबाद द्वारा मदरसा प्रबंधन को भूमि से बेदखल करने का आदेश पारित किया गया। साथ ही सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा करने और राजस्व को हुए नुकसान के मद्देनजर करीब 1.23 करोड़ रुपये की वसूली के निर्देश भी दिए गए थे।

अधिकारियों ने बताया कि न्यायालय के आदेश के बावजूद कब्जा नहीं हटाया गया और वर्ष 2025 तक मदरसे का संचालन जारी रखा गया।

इसके बाद प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की। मामले में मदरसे के संचालक फारूख बेग निवासी दिल्ली के खिलाफ भी संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। प्रशासन का कहना है कि सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

कार्रवाई के दौरान एडिशनल पुलिस कमिश्नर राजकरन नैय्यर और डीसीपी ग्रामीण सुरेन्द्र नाथ तिवारी ने मौके पर मौजूद रहकर व्यवस्था का जायजा लिया।

अधिकारियों ने बताया कि अवैध निर्माण और बिना अनुमति संचालित संस्थानों के विरुद्ध शासन की मंशा के अनुरूप कार्रवाई की जा रही है और भविष्य में भी ऐसे मामलों में कठोर कदम उठाए जाएंगे।

जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉंदड़ ने कहा कि मुख्यमंत्री के निदेर्शों के अनुसार जनपद में सरकारी भूमि को कब्जामुक्त कराने का अभियान निरंतर जारी है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि ग्राम सभा, सार्वजनिक उपयोग और अन्य सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जा किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे मामलों में न केवल कब्जा हटाया जाएगा बल्कि राजस्व हानि की भरपाई के लिए वसूली और दोषियों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई भी की जाएगी।

ध्वस्तीकरण के दौरान जिला प्रशासन, राजस्व विभाग, पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, पर्याप्त संख्या में पुलिस बल तथा बड़ी संख्या में मीडिया प्रतिनिधि मौजूद रहे। प्रशासन का कहना है कि जनपद में सरकारी भूमि पर अवैध कब्जों की पहचान कर उन्हें हटाने की प्रक्रिया आगे भी जारी रहेगी।

उप जिलाधिकारी के निर्देश पर राजस्व टीम ने हटाया अवैध कब्जा, ग्राम बागड़पुर की भूमि कराई कब्जामुक्त

वेलकम इंडिया संवाददाता

गढ़मुक्तेश्वर/हापुड़। उप जिलाधिकारी श्री राम यादव के निर्देश पर हापुड़ जनपद के बृजघाट क्षेत्र स्थित ग्राम बागड़पुर में सरकारी अभिलेखों में दर्ज भूमि पर किए गए अवैध कब्जे को हटाने के लिए राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने मंगलवार को बड़ी कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान भूमि को कब्जामुक्त कराते हुए भविष्य में दोबारा अतिक्रमण न करने की चेतावनी भी दी गई। जानकारी के अनुसार ग्राम बागड़पुर स्थित खसरा संख्या 1342 ख, रकबा 0.1500 हेक्टेयर भूमि पर कुछ लोगों द्वारा अवैध कब्जा किए जाने की शिकायत उप जिलाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत की गई थी। शिकायतकताओं ने भूमि की पैमाइश कराकर प्रकरण का निष्पक्ष निस्तारण कराने तथा कब्जा हटवाने के लिए राजस्व टीम गठित किए जाने की मांग की थी।

मामले को गंभीरता से लेते हुए उप जिलाधिकारी श्री राम यादव ने विशेष राजस्व टीम का गठन किया। टीम में राजस्व निरीक्षक गढ़ राजीव चौधरी, लेखपाल गौरव चौधरी तथा लेखपाल मोहम्मद रियाजु उर्फ राजू को शामिल किया गया। इसके साथ ही सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए गढ़ कोतवाली प्रभारी निरीक्षक देवेंद्र सिंह बिष्ट को पर्याप्त पुलिस बल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। उप जिलाधिकारी के निदेर्शानुसार मंगलवार सुबह राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम मौके पर पहुंची और भूमि का निरीक्षण करने के बाद अवैध कब्जा हटाने की कार्रवाई शुरू की। प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में भूमि को कब्जामुक्त कराया गया। बताया गया कि इससे पूर्व समाधान दिवस के उपरांत लेखपाल मोहम्मद रियाजु उर्फ राजू द्वारा भूमि की पैमाइश भी की जा चुकी थी। पैमाइश के आधार पर भूमि स्वामियों जगदीश सिंह और संजय बंसल ने अपनी भूमि की प्रीमिक्स बाउंड्री वॉल भी बनवा दी थी। इसके बावजूद आरोप है कि मलखान, रोहित, राहुल और बिसम्बर सहित कुछ लोगों ने भूमि पर पुनः जबरन कब्जा कर लिया था। भूमि स्वामियों का कहना था कि जब भी वे अपनी जमीन पर जाते थे, कब्जाधारियों द्वारा विवाद और झगड़ा किया जाता था। लगातार हो रही परेशानी से त्रस्त होकर जगदीश सिंह और संजय बंसल ने उप जिलाधिकारी से हस्तक्षेप कर भूमि को कब्जामुक्त कराने की मांग की थी। शिकायत के आधार पर प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए संयुक्त टीम गठित की और मौके पर पहुंचकर कब्जा हटवाया।

कार्रवाई के दौरान विपक्षी पक्ष की कुछ महिलाओं और पुरुषों ने विरोध भी जताया, लेकिन प्रशासनिक अधिकारियों ने उन्हें उप जिलाधिकारी के आदेश एवं राजस्व अभिलेखों की जानकारी दी। अधिकारियों द्वारा समझाने के बाद स्थिति सामान्य हो गई और कार्रवाई शांतिपूर्वक संपन्न कराई गई। कार्रवाई के बाद राजस्व एवं पुलिस अधिकारियों ने संबंधित लोगों को स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि भविष्य में दोबारा भूमि पर अवैध कब्जा करने का प्रयास किया गया तो उनके विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन की इस कार्रवाई से क्षेत्र में अवैध कब्जों के खिलाफ सख्त संदेश गया है तथा भूमि स्वामियों ने प्रशासन का आभार व्यक्त किया है।

कांवड़ यात्रा की तैयारियों में जुटा प्रशासन, डीएम ने दिए माइक्रो प्लान के तहत व्यवस्थाएं पूरी करने के निर्देश

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। आगामी कांवड़ यात्रा को सकुशल एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। बुधवार को कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा गांधी सभागार में जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉंदड़ की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि कांवड़ यात्रा से संबंधित सभी व्यवस्थाएं माइक्रो प्लान के आधार पर समयबद्ध तरीके से पूरी की जाएं। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और सुगम आवागमन सुनिश्चित करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। साथ ही स्थानीय नागरिकों को भी न्यूनतम असुविधा हो, इसके लिए सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य करें।

डीएम ने कांवड़ मार्गों को गड्ढामुक्त, स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने, पेयजल, शौचालय, विश्राम स्थलों, स्वास्थ्य सेवाओं और प्रकाश व्यवस्था की समुचित उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। संवेदनशील स्थलों पर सीसीटीवी कैमरों के जरिए निगरानी बढ़ाने तथा यातायात प्रबंधन को प्रभावी बनाने पर भी विशेष जोर दिया गया। बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा अब तक की गई तैयारियों की समीक्षा की गई और आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए। इस दौरान सीडीओ कुमार सौरभ, एडीएम ई ज्योति मौर्य, एडीएम सिटी विकास कश्यप, सिटी मजिस्ट्रेट सतीश चन्द्र त्रिपाठी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

गरीब किसान की बेटी बनी जिले की शान, अंजली पुंडीर ने मेहनत से लिखा सफलता का नया अध्याय

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। कठिन परिस्थितियों को मात देकर गाँव मसौता की बेटी अंजली पुंडीर ने शिक्षा के क्षेत्र में शानदार उपलब्धि हासिल की है। समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित जय प्रकाश नारायण सर्वोदय बालिका विद्यालय, निडौरी की छात्रा अंजली ने इंटरमीडिएट परीक्षा में 88.20 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम तथा जनपद में पांचवां स्थान हासिल किया है। किसान परिवार से ताल्लुक रखने वाली अंजली ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता, शिक्षकों और शासन द्वारा उपलब्ध कराई गई सुविधाओं को दिया है। विद्यालय में निःशुल्क आवास, भोजन, पुस्तकें, यूनिफॉर्म, स्मार्ट क्लास और कंप्यूटर लैब जैसी सुविधाओं ने उनकी पढ़ाई को नई दिशा दी। शिक्षकों के मार्गदर्शन और कड़ी मेहनत के बल पर उन्होंने यह मुकाम हासिल किया।

अंजली का सपना इंजीनियर बनकर देश और समाज की सेवा करना है। उनका कहना है कि वह अपनी मेहनत और शासन के सहयोग से अपने लक्ष्य को अवश्य प्राप्त करेंगी।

मेधावी छात्र-छात्राओं के सम्मान समारोह में अंजली को उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री सुनील शर्मा एवं मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ द्वारा 21 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। अंजली की सफलता आज उन हजारों छात्राओं के लिए प्रेरणा बन गई है, जो सीमित संसाधनों के बावजूद बड़े सपने देखने का साहस रखती हैं।

चिराग त्यागी के परिवार को मिलेगा प्रशासन का सहारा, जिलाधिकारी ने सुनी पीड़ा और दिया मदद का भरोसा

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। स्वर्गीय एथलीट चिराग त्यागी के परिजनों ने मंगलवार को जिलाधिकारी गाजियाबाद से मुलाकात कर अपनी विभिन्न मांगों और समस्याओं के संबंध में एक ज्ञापन सौंपा। इस दौरान परिजनों ने परिवार के सामने आ रही चुनौतियों से जिलाधिकारी को अवगत कराया और प्रशासन से सहयोग की मांग की। जिलाधिकारी श्री रविंद्र कुमार मॉंदड़ ने परिवार की बातों को गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ सुना। उन्होंने परिजनों को आश्वस्त किया कि उनकी मांगों पर नियमानुसार शीघ्र आवश्यक कार्रवाई की जाएगी तथा जिला प्रशासन हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए उनके साथ खड़ा है। जिलाधिकारी ने कहा कि किसी भी पीड़ित परिवार को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े, यह प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि परिवार द्वारा प्रस्तुत मांगों का परीक्षण कर नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। मुलाकात के दौरान प्रशासन की ओर से स्वर्गीय एथलीट चिराग त्यागी को श्रद्धांजलि अर्पित की गई और शोक संतप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की गई। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रशासन परिवार की भावनाओं का सम्मान करता है और उनकी हर संभव मदद के लिए प्रतिबद्ध है। परिजनों ने भी जिलाधिकारी द्वारा दिए गए आश्वासन पर विश्वास जताते हुए उम्मीद व्यक्त की कि उनकी समस्याओं का शीघ्र समाधान होगा। इस अवसर पर जिला प्रशासन ने एक बार फिर परिवार के प्रति सहयोग और संवेदनशीलता का भरोसा दिलाया।

मानवता की मिसाल: यातायात पुलिस ने बचाई घायल बाइक सवार की जान

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। राष्ट्रीय राजमार्ग–09 पर एबीईएस कॉलेज के सामने मंगलवार को हुए एक सड़क हादसे में घायल बाइक सवार युवक की जान यातायात पुलिस की तत्परता और मानवीय संवेदनशीलता से बच गई। सूचना मिलते ही यातायात पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को तत्काल अस्पताल पहुंचाकर उपचार दिलाया। जानकारी के अनुसार, यातायात पुलिस के कांस्टेबल अमित कुमार तथा टीएसआई सैवेद अहमद ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घायल युवक अहमद काशिफ पुत्र मुनाजिर हुसैन, निवासी मीनसराय, अमरोहा को मौके से सुरक्षित निकालकर वृंदावन अस्पताल में भर्ती कराया। समय पर चिकित्सा सुविधा मिलने से घायल को आवश्यक उपचार उपलब्ध हो सका। स्थानीय लोगों ने यातायात पुलिस की इस संवेदनशील पहल की सराहना करते हुए कहा कि पुलिस की तत्परता ने एक अनमोल जीवन बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यातायात पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सड़क दुर्घटनाओं में घायल व्यक्तियों को 'गोल्डन ऑवर' के दौरान तत्काल चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है, जिससे अधिक से अधिक लोगों की जान बचाई जा सके। यातायात पुलिस गाजियाबाद की इस मानवीय कार्रवाई ने एक बार फिर साबित किया है कि पुलिस कानून व्यवस्था बनाए रखने के साथ–साथ मानव जीवन की रक्षा के लिए भी पूरी प्रतिबद्धता और संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है।

50-50 हजार के इनामी पांच शातिर अपराधियों की तलाश तेज, गिरफ्तारी पर मिलेगा नकद पुरस्कार

कपिल चौहान

सौरभ उर्फ भोला पुत्र विजेन्द्र

गोपाल पुत्र रमेश

मोहित पुत्र मुकुट पंडित

गौरव पुत्र विजेन्द्र

गौरव पुत्र गजराज

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। कमिश्नरेट गाजियाबाद पुलिस ने लोनी थाना क्षेत्र में दर्ज एक गंभीर आपराधिक मामले में वांछित चल रहे पांच शातिर अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए बड़ा कदम उठाया है। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, कमिश्नरेट गाजियाबाद द्वारा प्रत्येक आरोपी पर 50-50 हजार रुपये का पुरस्कार घोषित किया गया है। पुलिस ने आमजन से इन आरोपियों के संबंध में सटीक सूचना देने की अपील की है। पुलिस के अनुसार थाना लोनी में पंजीकृत मु0अ0सं0 152/2026 धारा 109(1), 140(3) एवं 3(5) बीएनएस के तहत दर्ज मामले में पांच आरोपी लंबे समय से फरार चल रहे हैं। इनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है, लेकिन अब तक ये पुलिस की पकड़ से दूर हैं। ऐसे में इनकी गिरफ्तारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से इनाम घोषित किया गया है।

पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यदि कोई व्यक्ति इन आरोपियों के बारे में विश्वसनीय और सटीक सूचना देता है अथवा उनकी गिरफ्तारी में सहयोग करता है तो उसे घोषित पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। साथ ही यदि आरोपी गिरफ्तारी का विरोध करते हैं तो पुलिस द्वारा आवश्यक कानूनी शक्ति का प्रयोग करते हुए उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा। जिन पांच वांछित अपराधियों पर इनाम घोषित किया गया है, उनमें गौरव नागर पुत्र गजराज निवासी बादलपुर, गौतमबुद्धनगर, गोपाल पुत्र रमेश निवासी ग्राम गनौली, लोनी, सौरभ उर्फ भोला पुत्र विजेंद्र निवासी ग्राम गनौली, लोनी, गौरव पुत्र विजेंद्र निवासी ग्राम गनौली, लोनी तथा मोहित पुत्र मुकुट पंडित निवासी ग्राम गनौली, लोनी शामिल हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि फरार आरोपियों की तलाश के लिए विशेष टीमें गठित की गई हैं और संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी जा रही है। साथ ही आम जनता से अपील की गई है कि यदि किसी को इन आरोपियों के संबंध में कोई जानकारी हो तो तत्काल पुलिस को सूचित करें। सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी। कमिश्नरेट पुलिस का कहना है कि अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी और कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।